ज्ञानामृत

ब्रह्मज्ञानी को स्वर्ग तृण है, शूर को जीवन तृण है, जिसने इंद्रियों को वश में किया उसको स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है, निस्पृह को जगत तृण है।

▸▸चाणक्य

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 6 अप्रैल 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 116 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

गुजरात हाईकोर्ट की न्यायिक प्रक्रिया के लिए एआई के इस्तेमाल पर रोक

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने किसी भी प्रकार के फैसला लेने, न्यायिक दलील के लिए, आदेश तैयार करने या निर्णय की तैयारी, जमानत संबंधी सजा पर विचार करने या किसी भी अहम न्यायिक प्रि या के लिए एआई के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

बता दें गुजरात में शनिवार को जिला न्यायिक अधिकारियों के एक सम्मेलन में हाईकोर्ट की एआई नीति के प्रस्तुत की गई, जिसके मुताबिक एआई का इस्तेमाल न्यायिक तर्क के प्रतिस्थापन के रूप में नहीं, बल्कि न्याय वितरण की गति और गुणवत्ता में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। नीति के मुताबिक इन प्रौद्योगिकियों में मतिभ्रम, पूर्वाग्रह, गोपनीयता का उल्लंघन और न्यायिक स्वतंत्रता का क्षरण जैसे जोखिम शामिल हैं। और इनका सावधानीपूर्वक और संस्थागत अनुशासन के साथ प्रबंधन किया जाना चाहिए।

चुनाव: 650 करोड़ से ज्यादा की अवैध जब्ती, शीर्ष पर प. बंगाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने विभिन्न राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर अपनी कमर कस ली है। आयोग की निगरानी और प्रवर्तन के चलते बड़ी मात्रा में अवैध सामग्री की जब्ती का मामला सामने आया है।

चुनाव आयोग ने बयान जारी इसकी जानकारी दी है। चुनाव आयोग ने की ओर से जारी बयान में कहा गया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा आम चुनावों तथा छह राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के बाद से अब तक 650 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की जा चुकी है। चुनाव आयोग ने सभी संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वैश्विक संकटों के बीच मजबूती से उबर रहा भारत: एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके आर्थिक असर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने हाल के वैश्विक झटकों का मजबूती से सामना किया है। एस. जयशंकर ने शनिवार को आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में कहा कि बढ़ते वैश्विक तनाव के माहौल के बावजूद भारत ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की चुनौतियों को 'काफी हद तक सफलतापूर्वक' संभाला है।

उन्होंने कहा कि अब किसी भी क्षेत्र में होने वाले संघर्ष का असर सिर्फ वहीं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्वीकरण के कारण उसका प्रभाव दुनिया के अन्य हिस्सों में भी महसूस किया जाता है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि हाल के समय में कई वैश्विक झटकों ने हमारी मजबूती की परीक्षा ली है और भारत इनसे मजबूती के साथ बाहर निकला है।

सांबा में संदिग्ध गतिविधि के बाद सेना का सर्च ऑपरेशन तेज

जम्मू, एजेंसी। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद रविवार को सुरक्षा बलों ने बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। यह अभियान उस समय शुरू हुआ जब दारुई इलाके के बेध खड़ क्षेत्र के एक स्थानीय निवासी ने तीन अज्ञात व्यक्तियों को देखने की जानकारी दी।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, ये तीनों संदिग्ध अंधेरे का फायदा उठाते हुए एक सूखे नाले के किनारे-किनारे आगे बढ़ रहे थे। इनमें से एक व्यक्ति के पास भारी बैगपैक था, जिससे उनकी गतिविधि पर शक और गहरा गया। हालांकि, प्रत्यक्ष रूप से उनके पास कोई हथियार दिखाई नहीं दिया, फिर भी इलाके में संभावित खतरे को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

मुख्यमंत्री की आंधी-ओलावृष्टि से किसानों को राहत, अनूपपुर हादसे पर भी त्वरित कार्रवाई

किसान चिंता न करें, हर नुकसान की भरपाई होगी : मोहन यादव

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में हाल ही में आई आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसान किसी भी प्रकार की चिंता न करें, राज्य सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में फसलों और संपत्ति के नुकसान का शीघ्र सर्वे कराएं। उन्होंने कहा कि सही और समयबद्ध आकलन के आधार पर राहत राशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ग्वालियर-चंबल संभाग सहित राजगढ़, रायसेन और बैतूल जैसे जिलों में भारी नुकसान की खबरें सामने आई हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में नुकसान अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर राहत कार्य शुरू किए जाएं। प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करने और किसानों तक त्वरित सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर प्रभावित किसान को सरकार की ओर से मदद दी जाएगी, जिससे वे इस संकट से उबर सकें। इसी बीच अनूपपुर जिले के कोतमा में लॉज भवन ढहने की घटना पर भी मुख्यमंत्री ने त्वरित सहायता के निर्देश दिए हैं। हादसे में मृतकों और घायलों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की गई है तथा राहत और बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है।

प्रभावित किसानों को त्वरित सर्वे के बाद मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि मौसम से प्रभावित सभी क्षेत्रों में फसलों का तत्काल सर्वे कराया जाए और नुकसान का सही आकलन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राहत वितरण में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। प्रशासन को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रभावित किसानों को समय पर आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि वे अपनी खेती को फिर से शुरू कर सकें और आर्थिक संकट से बाहर निकल सकें।

कोतमा हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता

अनूपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र में लॉज भवन ढहने की घटना में तीन लोगों की मृत्यु और तीन अन्य के घायल होने पर मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। मृतकों के परिजनों को विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि घायलों के इलाज के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सभी संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया।

राहत-बचाव कार्य में जुटीं कई एजेंसियां, जांच के निर्देश

घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, जिसमें एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्य किया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए आधुनिक उपकरणों और डॉग स्क्वॉड का उपयोग किया गया। प्रभारी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी पूरी रात मौके पर मौजूद रहे और कार्यों की निगरानी करते रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर हादसे की निष्पक्ष जांच भी कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

रैली में पीएम का टीएमसी पर हमला

मतदान में डरने की जरूरत नहीं, टीएमसी के पापों का हिसाब कानून करेगा : मोदी

कूचबिहार, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान जनता को किसी प्रकार के डर में रहने की जरूरत नहीं है, क्योंकि लोकतंत्र में कानून सर्वोपरि है और चुनाव के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब कानून के जरिए किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने रैली में उमड़ी भारी भीड़ को बदलाव का संकेत बताते हुए कहा कि यह जनसमर्थन नए बंगाल के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लंबे समय से भय और हिंसा का माहौल बनाया गया है, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने अधिकार का निर्भय होकर उपयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और कानून अपना काम करेगा।

टीएमसी के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान के दिन यदि कोई डराने या दबाव बनाने की कोशिश करता है, तो जनता को कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के कार्यकर्ता चुनाव के समय भय का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस बार जनता जागरूक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के बाद हर अवैध गतिविधि का हिसाब लिया जाएगा और किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा।

महिलाओं को अधिकार दिलाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि करोड़ों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। साथ ही राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए आरक्षण लागू करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग करें, ताकि देश की आधी आबादी को उनका उचित हक मिल सके।

होर्मुज पर टकराव तेज

ट्रम्प ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम, ईरान की जवाबी चेतावनी से बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला गया, तो अमेरिका बड़े सैन्य हमले करेगा। उन्होंने 48 घंटे की समयसीमा देते हुए ऊर्जा ढांचे, पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है और इससे पहले दी गई मोहलत अब घटाकर 48 घंटे कर दी गई है। उन्होंने संकेत दिए कि यदि ईरान नहीं माना, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। वहीं, ईरान ने अमेरिकी चेतावनी को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी अली अब्दोल्लाही ने ट्रम्प के बयान को गैर-जिम्मेदार और उकसावे वाला बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी धमकियों के परिणाम अमेरिका के लिए भी गंभीर हो सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल ने बुशहर परमाणु स्थल पर कई बार हमले किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस टकराव से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता पर गहरा असर पड़ सकता है।

एलडीएफ-यूडीएफ पर बरसे केंद्रीय गृहमंत्री

केरल में सत्ता परिवर्तन का समय, यह भविष्य सुधारने वाला चुनाव: शाह

कुन्नाथुनाडु, एजेंसी

केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुन्नाथुनाडु निर्वाचन क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को सुधारने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का वोट शेयर लगातार बढ़ा है और अब राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने का समय आ गया है। शाह ने ईस्टर के अवसर पर ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए उनसे समर्थन की अपील की। गृह मंत्री ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों में ये दल साथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं।

असम चुनाव: एलओपी का सरमा पर हमला

असम के मुख्यमंत्री सबसे भ्रष्ट, कानून उन्हें जेल तक ले जाएगा: राहुल गांधी

कामरूप, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के कामरूप में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमले किए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति चरम पर है। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर आरोप हैं और कानून एक दिन उन्हें जवाबदेह बनाएगा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की राजनीति बाहरी प्रभाव में संचालित हो रही है। उन्होंने आर्थिक नीतियों को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि कुछ बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए नीतियां बनाई जा रही हैं। सभा में उन्होंने असम के लिए विकास और सामाजिक न्याय का नया खाका पेश किया।

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं, 95% तक पहुंची ऑनलाइन बुकिंग: मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, 4 अप्रैल को 51 लाख से अधिक एलपीजी सिलिंडरों की डिलीवरी की गई और किसी भी वितरक एजेंसी पर कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी बुकिंग में डिजिटल माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ा है और अब कुल बुकिंग में 95 प्रतिशत हिस्सेदारी ऑनलाइन की हो गई है। वहीं, डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो फरवरी में 53 प्रतिशत थी। छोटे सिलिंडरों की मांग भी बढ़ी है। शनिवार को करीब 90 हजार पांच किलो वाले सिलिंडर बेचे गए, जबकि 23 मार्च से अब तक 6.6 लाख छोटे सिलिंडरों की बिक्री हो चुकी है। ये सिलिंडर वैध पहचान पत्र दिखाकर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। मंत्रालय ने बताया कि पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मार्च से अब तक 3.9 लाख नए पंजीकरण हुए हैं और 3.6 लाख नए कनेक्शनों को गैस आपूर्ति शुरू की गई है।

विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों को मंदिर के गर्भगृह में पूजा करने की अनुमति नहीं

आंध्र हाईकोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के सर्कुलर को लागू करने को कहा

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों के मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर बड़ा फैसला लिया है। आंध्र प्रदेश कोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के उस सर्कुलर को लागू करने का आदेश दिया, जिसमें बताया गया हैं कि विदेश गए पुजारी मुख्य गर्भगृह में पूजा नहीं कर सकते। आंध्र हाईकोर्ट ने आदेश में स्पष्ट किया कि मंदिरों के रीति-रिवाज और त्यौहार आगम शास्त्र और परंपराओं के अनुसार ही संपन्न होने चाहिए। आंध्र हाईकोर्ट ने एंडोमेंट डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव और कमिश्नर को धार्मिक परिषद और श्रृंगेरी शारदा पीठम की गाइडलाइंस लागू करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश जस्टिस निम्मगड्डा वेंकटेश्वरलू ने इस संबंध में आदेश जारी किया। मामला विजयवाड़ा के दुर्गा मल्लेश्वर स्वामीवरला मंदिर से जुड़ा था, जिसमें श्री चक्र नववर्ण अर्चना परायणदार सुब्रह्मण्यम ने याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता का कहना था कि 10 नवंबर 2010 के सर्कुलर के अनुसार विदेश यात्रा कर चुके पुजारी गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर सकते।

विजय मत एंकर | आरबीआई नीति और कच्चे तेल और विदेशी निवेशकों की चाल से तय होगा बाजार का रुख

वैश्विक तनाव और आर्थिक संकेतकों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह भी उतार-चढ़ाव का माहौल बने रहने की संभावना है। निवेशकों की नजर तीन प्रमुख कारकों पर टिकी हुई है—भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति, पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें। इन कारकों के साथ वैश्विक आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। बीते सप्ताह बाजार में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। अवकाश के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट रही, हालांकि अंतिम कारोबारी दिन हल्की तेजी देखने को मिली। विश्लेषकों का मानना है कि बाजार फिलहाल अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है और छोटे-छोटे संकेत भी बड़े उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं। इस सप्ताह सबसे ज्यादा ध्यान आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर रहेगा। महंगाई और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन बनाना केंद्रीय बैंक के लिए चुनौती है। विशेषज्ञों के अनुसार रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है, लेकिन नीति का रुख बाजार को प्रभावित कर सकता है।

आरबीआई नीति और वैश्विक आंकड़ों पर नजर

निवेशकों की निगाह इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक नीति पर टिकी रहेगी। महंगाई के दबाव और कमजोर औद्योगिक संकेतकों के बीच केंद्रीय बैंक को संतुलन बनाना होगा। साथ ही अमेरिका के महंगाई आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे, क्योंकि इससे वैश्विक ब्याज दरों की दिशा तय हो सकती है। यदि अमेरिकी मुद्रा मजबूत होती है, तो उभरते बाजारों से निवेश बाहर जा सकता है। इससे भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ सकता है और निवेशकों की सतर्कता बनी रहेगी।

पश्चिम एशिया तनाव और कच्चा तेल बना चिंता का कारण

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर सीधे बाजार पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसके चलते कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जो भारत जैसे आयातक देश के लिए चिंता का विषय है। महंगा तेल आयातित महंगाई को बढ़ाता है और रुपये पर दबाव डालता है। इससे बाजार की धारणा कमजोर हो सकती है और निवेशक जोखिम लेने से बच सकते हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली भी बाजार के लिए बड़ा नकारात्मक संकेत बनी हुई है। मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बाद अप्रैल में भी बिकवाली जारी है। शुरुआती सत्रों में ही हजारों करोड़ रुपये की निकासी हो चुकी है।

न्यायिक ढांचे को मजबूत करने पर जोर

न्यायपालिका और कार्यपालिका साथ काम करें तो संविधान जीवंत होता है: सीजेआई सूर्यकांत

हैदराबाद, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तेलंगाना हाई कोर्ट के जोन-2 की आधारशिला रखते हुए न्यायिक ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अब देश की सभी सरकारें यह समझ रही हैं कि न्यायिक ढांचे को सुदृढ़ करना कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य जरूरत है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका एक समान उद्देश्य के साथ कार्य करती हैं, तो संविधान वास्तविक रूप में जीवंत होता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में न्यायिक परिसरों के निर्माण और विस्तार को सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि इससे न्याय व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने प्रस्तावित हाई कोर्ट परिसर के मॉडल और नक्शे की सराहना करते हुए कहा कि यह देश के उत्कृष्ट न्यायिक परिसरों में शामिल होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि दो वर्षों में परिसर का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। तेलंगाना सरकार ने नए हाई कोर्ट परिसर के लिए 100 एकड़ भूमि आवंटित की है और निर्माण के लिए 2,583 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचे विकासखंड शिक्षा अधिकारी

जयसिंहनगर। मध्यप्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान 2026 के तहत् आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम 04 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया जो प्रदेश सरकार की एक अनूठी पहल है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, जन-प्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक सरकारी स्कूलों में छात्रों के बीच पहुंचे जहां उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई से संबंधित चर्चा की। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन, प्रेरणा और सकारात्मक सोच देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की राह आसान बनाना है। इसी क्रम में विकासखंड जयसिंहनगर के शासकीय हाई स्कूल देवरा में विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद तिवारी छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम के गहन अध्ययन के गुण सिखाए, वहीं छात्र-छात्राओं को शाब्दिक त्रुटियों की बारीकियों से भी अवगत कराया।? इस दौरान खंड अकादमिक समन्वयक ओमप्रकाश तिवारी एवं विद्यालय के प्राचार्य धनेन्द्र सिंह परिहार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की कोयला खदानों में प्रतिदिन हो रहा 23 हजार टन से भी अधिक कोयला उत्पादन

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया की कोयला खदानों में कोयला उत्पादन को लेकर प्रबंधन का जोर देखा जा रहा है नए वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को लेकर शुरुआत से ही सभी खदानों में उत्पादन की रफ्तार तेज देखने को मिल रही है और अगर इसी तरह निरंतर कोयला उत्पादन होता रहा तो समय के साथ वह अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को इस वर्ष भी पूरा करने में सफलता पा लेगी।

एरिया की कोयला खदानों में अगर देखा जाए तो लगभग लगभग सभी खदानों में उत्पादन हो रहा है जहां उत्पादन कम हो रहा है वहां उत्पादन बढ़ाने को लेकर अभी से प्रयास की शुरू कर दिए गए हैं एरिया महाप्रबंधक बी के जेना कोयला उत्पादन को लेकर लगातार खदानों को निरीक्षण भी कर रहे हैं और उत्पादन से संबंधित बातों पर अधिकारियों से चर्चा भी कर रहे हैं 2025- 26 में भी देखा गया कि कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर प्रबंधन ने शुरुआत से ही प्रयास किए थे ।

यही कारण था कि वह अपने अब उसी राह पर एक बार फिर से प्रबंधन कोयला उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है और खदानों में अगर कहीं समस्याएं आ रही है तो उसे दूर करने का भी पूरा प्रयास कर रही है।

वैसे अगर देखा जाए तो एसईसीएल सेहागपुर एरिया की 2 सबसे बड़ी ओपन कास्ट माइंस जहां पर कोयला उत्पादन सबसे अधिक हो रहा है और इन दो खदानों के उत्पादन पर एरिया का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य कहीं ना कहीं निर्भर करता है यही कारण है कि इन दोनों ही ओपन कास्ट में उत्पादन बढ़ाने को लेकर एरिया महाप्रबंधक लगातार प्रयास रत है और कहीं ना कही यहां की खदानों में उत्पादन की रफ्तार भी तेज देखी जा रही है सबसे पहले अमलाई ओपन कास्ट की बात की जाए तो यहां पर प्रतिदिन 4000 टन से भी अधिक कोयला उत्पादन हो रहा है और आने वाले समय में यह उत्पादन और बढ़ेगा इस बात की चर्चा यहां पर सुनी जा रही है अमलाई ओपन कास्ट में उपक्षेत्रीय प्रबंधक के पद पी रमन्ना की पदस्थापना की है जो की एक अनुभवी अधिकारी माने जाते हैं जिस कारण से इस ओपन कास्ट की उन्हें अच्छी समझ है यही कारण है कि यह ओपन कास्ट कोयला उत्पादन को लेकर आने वाले दिनों में एक नए कीर्तिमान को बनाएगी तो इसमें गलत कुछ भी नहीं होगा वर्तमान में जिस तरह से यहां पर कोयला उत्पादन हो रहा है वह वर्तमान सब एरिया मैनेजर की एक कुशल रणनीति का भी हिस्सा है समय पर खदान वह स्वयं भी पहुंचते हैं और खदान की सभी अधिकारियों कर्मचारियों को भी समय पर खदान आने की बात उन्होंने कही है यह पहला ऐसा मौका है जब ओपन कास्ट में बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन हो इस पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्यालय के द्वारा इस ओपन कास्ट को वार्षिक कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है जिस रफ्तार से यहां कोयला उत्पादन हो रहा है निश्चित है कि समय रहते यह अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पूरा करेंगी।

गैस एजेंसी संचालक कर रहा कालाबाजारी

ग्रामीण क्षेत्रो में वितरण की जगह शहरी क्षेत्र में कर रहा वितरण, उपभोक्ताओं को ऊंचे दाम में ब्लैक में दे रहा सिलेंडर

विजय मत, ब्योहारी

ब्योहारी तहसील के ग्राम पंचायत सरबाही खुर्द में ग्रामीण क्षेत्रों के वितरण हेतु राकेश बैस सरबाही को गैस एजेंसी थी गई। लेकिन एजेंसी संचालक द्वारा संचालन स्थल के बजाय गैस एजेंसी ग्राम पंचायत पसगडी में और दूसरी शाखा एजेंसी ब्योहारी के बार्ड क्र-02 शुक्ला पेट्रोल पंप के पीछे अवैध रूप से संचालित की जा रही है।

ब्योहारी-भारत गैस एजेंसी ग्रामीण वितरक सरबाही राकेश बैस द्वारा मनमानी रेट पर गैस बेंची जा रही है। गैस लेने एजेंसी पहुंचे उपभोक्ता ने बताया कि राकेश बैस भारत गैस एजेंसी ग्रामीण वितरक सरबाही खुर्द 181161,के संचालक द्वारा कनेक्शनधारी घरेलू उपभोक्ताओं को गैस देने की बजाय गैस को महंगे दामों पर ब्योहारी में ब्लैककर बेंचा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो नगरीय क्षेत्र में व्यवसायिक उपयोग करने बालों को भारत गैस एजेंसी संचालक राकेश बैस और उसके सहयोगियों द्वारा बिना बुकिंग के दुकानदारों को मनमानी दामों में ब्लैक में सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं वितरण केन्द्र के दर्ज उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी के नाम पर परेशान कर एक

सौ नब्बे रुपए जमा करा जबरन एक गैस पाइप दी जा रही है। लोगों का आरोप है कि भारत गैस एजेंसी के संचालक द्वारा अपने उपभोक्ताओं को युद्ध का हवाला देते हुए गैस की कमी बता लोगों को ब्लैक में दो हजार रुपए में भरा सिलेंडर दिया जा रहा है। भारत गैस एजेंसी ग्रामीण वितरक राकेश बैस द्वारा सरवाही खुर्द की एजेंसी पसगडी सीधी रोड़ में संचालित की जाती है जिसकी एक शाखा एजेंसी ब्योहारी के रीवा रोड़ में शुक्ला पेट्रोल पम्प के पीछे स्थित है जहां सैकड़ों की संख्या में भरे गैस सिलेंडर रखें है।जिसे गैस एजेंसी संचालक राकेश बैस द्वारा काला बाजारी कर ऊंचे दामों में ब्लैक में सिलेंडर बेचें जा रहे हैं।

जरुरत मंद उपभोक्ता मोबाइल फोन से बुकिंग कर अपने गैस का लम्बे समय तक इंतजार करते हैं फिर थक हार कर अंत में एजेंसी संचालक के कथित दलालों को गैस का डबल रेट देकर ब्लैक में सिलेंडर खरीदते हैं। भारत गैस एजेंसी के संचालक राकेश बैस की दबंगई व मनमानी से पूरे क्षेत्र के गैस उपभोक्ता परेशान हैं। और यहां का जिम्मेदार प्रशासनिक अमला सबकुछ जानकर भी अंजान बना हुआ है।

जिससे आमजन मानस भारत गैस की उपलब्धता के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।और वहीं शहरीय क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी दुकान में भारत गैस का घरेलू लाल सिलेंडर गाहे-बगाहे आपको देखने को मिल जाएगा।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया में बिजली चोरी को लेकर चलाई गई मुहिम का नहीं दिखा असर

विजय मत, धनपुरी

विगत कुछ दिनो पहले सोहागपुर एरिया प्रबंधन के द्वारा एक टीम का गठन किया गया था जोकि अवैध कनेक्शन धारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही थी इस कार्यवाही का परिणाम भी अच्छा देखने को मिल रहा था और लोगों में हड़कंप भी मचा था बड़ी संख्या में न सिर्फ अवैध कनेक्शन काटे गए थे बल्कि तारों को भी जप्त किया गया था इन अवैध कनेक्शन के चलते प्रबंधन को हर माह लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था जिसे देखते हुए ही इस पर कार्यवाही शुरू की गई थी लेकिन कार्यवाही के कुछ दिन के बाद एक बार फिर से अवैध कनेक्शन धारियों की भरमार देखने को मिलने लगी है जिन लोगों के कनेक्शन काटे गए थे वह फिर से जोड़ते हुए देखे जा सकते हैं और प्रबंधन जिस सोच के साथ इस कार्यवाही को आगे बढ़ाया था

कहीं ना कहीं उसमें पूर्ण रूप से सफलता मिलती ही नजर नहीं आई कुछ समय पहले अवैध कनेक्शन के खिलाफ एक बड़ी मुहिम चलाई गई थी चीपहाउस अमराडंडी सहित आसपास के क्षेत्रों में अवैध कनेक्शन बड़ी संख्या में काटे गए थे और तारों को जप्त किया गया था इस कार्रवाई के बाद ऐसा लगा था कि अब अवैध कनेक्शन धारियों पर अंकुश लगेगा लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला पूर्व में भी कई बार ऐसा देखा गया था कि अवैध कनेक्शनों के खिलाफ कार्यवाही तो कर दी जाती थी लेकिन जब यह फिर से जुड़ जाते थे तो प्रबंधन की ओर से भी इसी से अनदेखा किया जाता था कुछ ऐसा ही इस बार भी देखने को मिल रहा है।

कोयलांचल क्षेत्र में अवैध कनेक्शन से कई घर रोशन हो रहे हैं कई दुकान रोशन हो रहे हैं और इस कारण से लाखों रुपए की बिजली हर माह अवैध रूप से जलाई जा रही है कारवाही तो शुरू की गई हर किसी ने इसकी सराहना की लेकिन जिस तरह से फिर से अवैध कनेक्शन जोड़ने शुरू हो गए हैं उसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं वहीं कई ऐसे स्थान है जहां पर अभी तक अवैध कनेक्शन के खिलाफ किसी प्रकार की कार्यवाही शुरू नहीं की गई है जहां पर खुलेआम कालरी की बिजली से घर और दुकान रोशन हो रहे हैं।

जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अमूल्य उपहार, विशाल तालाब के घाट की श्रमदान कर की गई साफ-सफाई

विजय मत, शहडोल

जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अमूल्य उपहार है, जो समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। इसलिए हमें जल की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा और इसके संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जल बचाने, संरक्षित करने एवं जल का महत्व बताने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत ब्यौहारी के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 3 भोलहरा ग्राम पंचायत भमरहा 2 चिपाड़नाथ धाम में मंदिर पर स्थित विशाल तालाब के घाट की साफ सफाई का कार्य किया गया। उक्त कार्य में ब्लॉक ब्लॉक समन्वयक जन अभियान परिषद शिव दत्त उरमलिया,नवांकुर संस्था से सुखेंद्रगुप्ता, परामर्शदाता ,सरस्वती चंद्र विद्या ,रामेश्वर पाल, हीरालाल साहू, अर्पिता सिंह बैंस, सुखेंद्र दीक्षित, भैया लाल पाल सहित अन्य जन अभियान परिषद के सदस्य एवं ग्रामीण जन श्रमदान कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया।

टीईटी पर पुनर्विचार याचिका मामले में सांसद एवं विधायकों को ज्ञापन सौंपेगा शिक्षक संघ

विजय मत, शहडोल

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शहडोल के अध्यक्ष लालजी तिवारी एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला सचिव विनोद कुमार सिंह द्वारा दी गई लिखित विज्ञप्ति के अनुसार मध्य प्रदेश शिक्षक संघ प्रांत के निर्णय अनुसार पूरे प्रदेश के विधायकों एवं सांसद को पुनर्विचार याचिका एवं विधाई हस्तक्षेप के लिए विधायक एवं सांसद को ज्ञापन सौपा जाना है इसी के तहत दिनांक 6 अप्रैल एवं 7 अप्रैल को शहडोल जिले में भी तीनों विधायक एवं सांसद को उपरोक्त अनुसार ज्ञापन सौपा जाना है इसके पूर्व डेढ़ से 2 लाख प्रदेश के शिक्षकों को शिक्षक संघ के द्वारा अथक प्रयास कर चतुर्थ समय मान वेतनमान दिलवाया गया है अब केवल शिक्षकों की दो मांगे शेष हैं टीईटी से छूट एवं नियुक्त दिनांक से वरिष्ठता इसके लिए शिक्षकों के प्रदेश में ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर में सबसे बड़े संघ मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा लगातार पूरी क्षमता से प्रयास जारी है किन्हीं अन्य संगठन की बयान बाजी एवं निराशाजनक बातों में परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है ज्ञापन सौंपते समय जिले के नगर इकाई ब्लॉक इकाई तहसील इकाई जिला इकाई के अलावा जिले में निवासरत संभाग एवं कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

वॉश ऑन व्हील अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों में मिल रहा प्रोत्साहन, जागरूकता रैली आयोजित

विजय मत, शहडोल

जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम जमुई में मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी पहल वॉश ऑन व्हील को ग्रामीण स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। वॉश ऑन व्हील एक ऐसा इनिशिएटिव है, जिसके अंतर्गत एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से व्यक्तिगत, सामूहिक एवं संस्थागत शौचालयों की सफाई सेवा घर-घर तक उपलब्ध कराई जा रही है।

रैली का नेतृत्व डिप्टी कलेक्टर श्री गैलेक्सी नागपुरे द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सोहागपुर की टीम, ग्राम जमुई के सचिव, रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी तथा स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रैली के माध्यम से ग्रामीणों को वॉश ऑन व्हील एप्लिकेशन के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें प्रेरित किया गया कि वे ऐप के माध्यम से बुकिंग कर अपने शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करें।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कम्युनिटी सैनिटरी कॉम्प्लेक्स (ष्टस्ष्ट), स्कूलों एवं अन्य संस्थानों में, जहाँ सफाई कर्मचारी उपलब्ध नहीं होते, वहाँ भी अब नियमित सफाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, कोई भी ग्रामीण अपने व्यक्तिगत शौचालय की सफाई इस एप के माध्यम से आसानी से करवा सकता है।

योजना के तहत निर्धारित दरें भी सरल और किफायती रखी गई हैं। व्यक्तिगत शौचालय की सफाई हेतु ?50 प्रति शौचालय तथा संस्थागत (स्कूल/ष्टस्ष्ट) शौचालय के लिए ?200 प्रति शौचालय शुल्क निर्धारित है। विशेष बात यह है कि सफाई के लिए आवश्यक सभी सामग्री जैसे एसिड, फिनाइल, हार्पिक एवं सैनिटाइजर संबंधित कर्मचारी द्वारा ही उपलब्ध कराए जाते हैं। उपयोगकर्ता को केवल एप के माध्यम से बुकिंग करनी होती है तथा सफाई पूर्ण होने के बाद ह्रञ्जक्र साझा कर भुगतान करना होता है।

प्रशिक्षण महा अभियान में नगर पालिका अध्यक्ष की उपेक्षा

विजय मत, पाली

भारतीय जनता पार्टी के व्दारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल प्रशिक्षण महा अभियान के दो दिवसीय कार्यक्रम में नगर सरकार अर्थात नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शंकुतला प्रधान जो की भारतीय जनता पार्टी से ही हैं की जानबूझकर की गयी उपेक्षा नगर भर में चर्चाओं में बनी हुई है। विदित होवे की सुश्री शंकुतला प्रधान जी इससे पहले विधायक जैसे गरिमा मय पद पर सुशोभित रह चुकी है, अलवत्ता उन दिनों वह भारतीय जनता पार्टी में नहीं थी। मालुम होवे की वर्ष 2018 के विधान सभा चुनाव के दरम्यान शकुंतला प्रधान जी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और भाजपा में ही रच बस गयी। सुश्री के समर्पण और निष्ठा को देखते हुए वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने वार्ड पार्षद की टिकट देकर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी से नवाजा गया।अब वह बतौर भाजपा कार्यकर्ता के नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष का काम काज करते हुए भाजपा की रीति नीति के अनुरूप नगर में तृतीय इंजन के सहारे खूब विकास कार्य किया है,लेकिन एक अरसे से उन्हें भाजपा के अन्दर उपेक्षित करने का अभियान सा चल पड़ा है। आज के मंडल प्रशिक्षण महा अभियान में भी जो कुछ हुआ वह उनके उपेक्षा का दंश उपस्थित प्रशिक्षाणार्थियो को भी चुभता नजर आया ।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.

फोन नं0 07652-245167 ईमेल- dfotnshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय / 764 शहडोल, दिनांक 31/03/ 2026

निविदा विज्ञप्ति

वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
01	वानिकी एवं अद्योसंरचना हेतु प्रयोग होने वाली सामग्री	100000

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_495056_1 के माध्यम से प्राप्त करे।

G11116/26

वनमण्डलाधिकारी
उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.

फोन नं0 07652-245167 ईमेल- dfotnshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय / 794 शहडोल, दिनांक 02/04/ 2026

निविदा विज्ञप्ति

वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
01	चाय, काफी, नाश्ता, भोजन एवं पानी की बाटल	60000

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_496786_1 के माध्यम से प्राप्त करे।

G11110/26

वनमण्डलाधिकारी
उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.

प्रदूषण

एक्यूआई अपडेट बंद, शहडोल में प्रदूषण की स्थिति अंधेरे में, जिम्मेदार विभाग पर उठे सवाल

डेढ़ साल से बंद वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सिस्टम, प्रदूषण पर जनता पूरी तरह अनजान

विजय मत, शहडोल

जिले एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर शहडोल संभागीय मुख्यालय में वायु गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति जानने वाला पूरा सिस्टम ही 'खामोश' पड़ा है। पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से यहां एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम बंद है, जिसके कारण शहर के लोग यह तक नहीं जान पा रहे कि वे जिस हवा में सांस ले रहे हैं, वह सुरक्षित है या खतरनाक। स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब यह सामने आता है कि सार्वजनिक सूचना के लिए लगाए गए एयर क्वालिटी इंडेक्स बोर्ड पर 21 सितंबर 2024 के बाद से कोई अपडेट ही नहीं किया गया है। यानी करीब डेढ़ साल से अधिक समय से प्रदूषण का कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। यह न केवल तकनीकी लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार एजेंसियों की उदासीनता को भी उजागर करता है।

मॉनिटरिंग बंद, जिम्मेदारी भी ऑफ

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल में स्थापित मॉनिटरिंग सिस्टम का बंद होना कई सवाल खड़े कर रहा है। पर्यावरण के प्रति सजग नागरिकों का आरोप है कि विभाग प्रदूषण को नियंत्रित करने में विफल रहा है, और अब मॉनिटरिंग सिस्टम को चालू करने में भी कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। लोगों का कहना है कि जब डेटा ही उपलब्ध नहीं होगा, तो प्रदूषण नियंत्रण की रणनीति कैसे

बनेगी? यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ पारदर्शिता की कमी को भी दर्शाती है।

तीन जगह लगे थे सिस्टम, दो पूरी तरह ठप

करीब दो साल पहले शहडोल संभाग में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए तीन अलग-अलग स्थानों पर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई थीं। इनका उद्देश्य संभाग के प्रमुख क्षेत्रों में प्रदूषण स्तर का सटीक आकलन करना था।

अनूपपुर में हिंदुस्थान पावर द्वारा स्थापित मशीन आज भी चालू है और वहां नियमित डेटा मिल रहा है। लेकिन शहडोल में दो प्रमुख स्थान एमपीपीसीबी का क्षेत्रीय कार्यालय और जिला अस्पताल जहां क्रमशः संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र और अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के सहयोग से मशीनें लगाई गई थीं, वे पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से बंद पड़ी हैं।

स्वास्थ्य पर खतरा, जानकारी का अभाव

विशेषज्ञों के अनुसार, त्त्ब्ल डेटा का नियमित अपडेट न होना सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह जानकारी बेहद जरूरी होती है। शहर में औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ते यातायात के बीच प्रदूषण का स्तर कब खतरनाक हो जाए, इसका अंदाजा बिना मॉनिटरिंग के लगाना मुश्किल है। ऐसे में नागरिक अनजाने में ही जोखिम भरे वातावरण में जीवन जीने को मजबूर हैं।

जनता की मांग-तुरंत चालू हो सिस्टम

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़े एयर मॉनिटरिंग सिस्टम को जल्द से जल्द चालू कराया जाए। उनका कहना है कि यह केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मामला है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य के लिए घातक साबित हो सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

भोपाल में हज प्रशिक्षण शिविर सात अप्रैल को

विजय मत, भोपाल। हज यात्रा पर जाने वाले आज़मीनों की बेहतर तैयारी के लिए 7 अप्रैल 2026 को शहर में एक दिवसीय "हज ट्रेनिंग कैम्प" का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर रेतघाट वीआईपी रोड स्थित मस्जिद माजी साहिबा में आयोजित होगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होकर ईशा तक जारी रहेगा। शिविर में हज के दौरान अदा किए जाने वाले अरकान, यात्रा संबंधी आवश्यक जानकारी, स्वास्थ्य सावधानियां और अन्य जरूरी दिशा-निर्देश विस्तार से बताए जाएंगे, ताकि आज़मीन आसानी और सही तरीके से हज अदा कर सकें। आयोजकों ने बताया कि इस प्रशिक्षण में महिलाओं के लिए पर्दे के साथ अलग व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का आयोजन इदारा इल्म ओ अदब द्वारा किया जा रहा है। शिविर से संबंधित अधिक जानकारी के लिए 9893264618 और 9893574040 पर संपर्क किया जा सकता है।

वीडियो के आधार पर मारपीट के आरोपियो की तलाश जारी

विजय मत, भोपाल। शहर के चूना भट्टी थाना इलाके में स्थित बाबा नगर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद पुलिस ने कांउटर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया, जबकि दूसरे पक्ष पर धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। घटना में सामने आए वीडियो के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियो की पहचान जुटाकर उनकी धरपकड़ के प्रयास कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना 2 अप्रैल की रात करीब 11.30 बजे यहॉ रहने वाले अपराधिक प्रवृत्ति के सोनू मीणा का दूसरे पक्ष के दीपक वाल्मीकि और उसके परिवार के साथ विवाद हुआ इस दौरान गाली-गलौज और मारने की धमकी दी गई। बाद में विवाद बढ़ने पर मामला पुलिस थाने पहुंच गया। पुलिस ने सोनू मीणा के खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड होने के चलते उस पर एफआईआर दर्ज की वहीं, एहतियातन दोनों पक्षों पर धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई। दीपक वाल्मीकि का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामेन नहीं आया है। घटना के वायरल वीडियो में कई लोग हाथों में डंडे-पाइप लेकर जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फुटेज में नजर आ रहे अज्ञात लोगों की पहचान की जा रही है, जिसके बाद उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने छात्रा को होटल में बंधक बनाकर किया रेप

विजय मत, भोपाल। शहर के कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाली छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। बताया गया है की दोनों बीते तीन महीने से रिलेशन में थे। थाना पुलिस के मुताबिक 18 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह स्कूली छात्रा है, और हाल ही में उसने 12 वीं कक्षा की परीक्षा दी है। ढाबे पर खाना बनाने का काम करने वाले आरोपी आकाश ठाकुर से उसकी दोस्ती सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये से हुई थी। आरोप है कि फोन पर काफी दिनो तक हुई बातचीत के बाद आरोपी युवक ने उसे मिलने के लिए होटल में बुलाया। पीड़िता उससे मिलने पहुचीं तो आरोपी ने उसे बंधक बनाते हुए शादी करने का झांसा देकर उसके साथ ज्यादती कर डाली। उसके बाद से वह लगातार पीड़िता का शोषण कर रहा था। कुछ दिन पहले आरोपी ने छात्रा के साथ शादी करने से इंकार कर दिया साथ ही उससे दुरियां बनाते हुए उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता थाने जा पहुंची जहॉ मामला दर्ज कर पुलिस ने रोपी युवक की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

मुसाफिर पर ब्लैड से हमला करने वाले जेबकतरे की तलाश जारी

विजय मत, भोपाल। राजधानी के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर जेबकट द्वारा पकड़े जाने पर एक व्यक्ति को ब्लेड से हमला कर घायल किये जाने के मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। बताया गया है, की करीब दो सप्ताह पहले दोपहर के समय बस में चढ़ते समय मुसाफिर ने जेबकट को उस समय रंगे हाथो पकड़ लिया था, जब वह उनका माल पार करने का प्रयास कर रहा था। पकड़े जाने पर बदमाश ने उन पर ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया और फरार हो गया। घायल फरियादी की हालत और बदमाश के हाथ में हथियार देख आसपास खड़े लोग भी मदद की हिम्मत नहीं जुटा सके। बाद में बदमाश मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मूल रुप से भिंड निवासी संजीव कुमार (42) वर्तमान में बंगरसिया क्षेत्र में रहते हैं। घटना वाले दिन दोपहर करीब 12 बजे वे ग्यारह मील जाने के लिए स्टेशन के सामने बस का इंतजार कर रहे थे। मंडीदीप जाने वाली बस के आने पर संजीव उसमें चढ़ने लगे। उसी समय एक अज्ञात युवक ने उनकी पैंट की जेब में हाथ डालकर पर्स निकालने का प्रयास किया।

खेती घाटे का सौदा बनी खेती को एक्वाकल्चर से मिलेगी संजीवनी

खेती-किसानी के लिए मौसम के हिसाब से तैयार किए जा रहे फसल के सीजन

विजय मत, भोपाल

ग्लोबल वार्मिंग के खतरे खेती किसानी पर साफ नजर आने लगे हैं। मौसम चक्र बिगड़ने के कारण खेती एक तरह से घाटे का सौदा होती जा रही है। जलवायु और सालों के अनुभव के बाद किसानों ने खेती-किसानी के लिए मौसम के हिसाब से फसल के सीजन तैयार किए। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम में हुए परिवर्तन से फसल चक्र काफी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी के रिटायर प्रोफेसर डॉ. मो. इकबाल खान ने किसानों को ऐसा तरीका सुझाया है, जिसमें खेती में होने वाले नुकसान की भरपाई एक्वाकल्चर से की जा सकती है। एक्वाकल्चर को जल कृषि भी कहते हैं। इसमें जलीय जीव जंतुओं के पालन के साथ जलीय वनस्पतियों को उगाने का काम भी किया जाता है। जिसका देश में तेजी से प्रचलन बढ़ रहा है। मो. इकबाल खान मानते हैं कि अगर किसान जमीन के चौथाई हिस्से में एक्वाकल्चर करें तो खेती में होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि को बहुत नुकसान होता है। पहले साल में 3 मौसम हुआ करते थे, सर्दी, गर्मी और बारिश लेकिन अब हर महीने में 3 मौसम होते हैं। एक ही महीने में सर्दी, गर्मी और बारिश तीनों मौसम देखने मिलते हैं। मौसम की इसी अनिश्चितता के चलते कभी बारिश बहुत ज्यादा हो जाती है तो कभी कम। पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में बारिश हुई थी। जब जुलाई में अच्छी बारिश हुई, तो किसान खुश थे, लेकिन सितंबर-अक्टूबर में बारिश होने के कारण उनकी रबी की फसल की बोवनी पिछड़ गई। खेतों में पानी भरा हुआ था। अभी चार-पांच दिन पहले उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ओले गिरे और अति वर्षा के कारण खड़ी फसलें बर्बाद हो गई।

एक्वाकल्चर अपनाकर खेती को बनाएं लाभ का धंधा

कृषि को जलवायु के कारण बहुत नुकसान हुआ है। मौसम की अनिश्चितता के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसके लिए कारगर तरीका यह है कि किसान अपनी जमीन के 50 प्रतिशत नहीं तो कम से कम 25 प्रतिशत जमीन पर मछली पालन जरूर करें। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की मार से उसकी फसल खराब भी हो जाएगी, तो एक्वाकल्चर से उसके नुकसान की भरपाई हो जाएगी। एक तरह से एक्वाकल्चर उसके आंसू पोंछने का काम करेगी।

सरकार चला रही कई योजनाएं

एक्वाकल्चर के लिए सरकार कई तरह की योजनाएं चला रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। जिसमें खुला तालाब, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, फीड मिल, हैचरी, जिंदा मछली की शिफ्टिंग के लिए वाहन, जिंदा मछली के विक्रय केंद्र के लिए सब्सिडी मिलती है। मछली पालन करने वालों की समस्याओं के लिए मत्स्य सेवा केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। किसान अपनी आर्थिक स्थिति और जमीन की उपलब्धता के हिसाब से ये काम कर सकता है। तकनीकी मदद के लिए हैदराबाद में एनएफडीबी है, जो किसानों के लिए प्रशिक्षण के साथ-साथ नई तकनीक और ट्रेनिंग देता है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति और महिला आवेदकों के लिए 60 प्रतिशत और सामान्य वर्ग और पुरुष आवेदकों के लिए 40 प्रतिशत तक सब्सिडी मिलती है। यदि सही तरीके से काम किया जाए तो नुकसान की बिल्कुल संभावना नहीं है। आंध्र प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

मप्र में 10 अप्रैल से शुरू होगी खरीदी, मावठे की बारिश से फसल खराब, किसान परेशान

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में हो रही देरी से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इन दिनों मावठे की बारिश और लगातार बदलते मौसम के कारण किसानों को अपनी उपज को पानी से बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सरकार ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तारीख 10 अप्रैल और 15 अप्रैल तय की है, जिससे किसानों में चिंता है। किसानों की गेहूं की फसल एक महीने पहले ही तैयार हो चुकी है। हालांकि, मंडियों में मिल रहे कम दाम और समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू न होने के कारण किसानों ने अपनी उपज को खुले आसमान के नीचे या घरों के आंगन में तिरपाल डालकर रखा है। वे अब समर्थन मूल्य पर अपनी फसल बेचने का इंतजार कर रहे हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी पहले 16 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन शासन ने यह तारीख बढ़ाकर 1 और 7 अप्रैल कर दी थी। इसके बाद इसे फिर से आगे बढ़ाकर 10 और 15 अप्रैल कर दिया गया है। खरीदी में इस लगातार देरी से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि एक तरफ सरकार खरीदी में विलंब कर रही है, वहीं दूसरी ओर मौसम भी साथ नहीं दे रहा है। किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने के लिए पंजीकरण करा लिया है। इधर, मौसम में प्रतिदिन बदलाव देखा जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के अधिकांश जिलों में तेज हवा-आंधी के साथ आलावृष्टि और बारिश हुई थी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली थी। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बारिश होने की संभावना जताई है, जो किसानों के लिए और चुनौती खड़ी कर सकती है।

कहां रखा जाएगा 160 लाख टन गेहूं!

वर्तमान परिस्थितियों में पहले से वेयर हाउस में 78 लाख टन सरप्लस गेहूं रखा है। करीब 48 लाख टन धान और 10 लाख टन चावल है। सिर्फ 75 से 80 लाख टन और अनाज रखने की कैपेसिटी है। जितने किसानों ने रकबे के हिसाब से उत्पादन और समर्थन मूल्य पर बिक्री का रजिस्ट्रेशन कराया है, करीब 160 लाख टन गेहूं खरीदना पड़ेगा। यदि पूरा गेहूं सरकार को ही खरीदना पड़ा तो 43 हजार करोड़ रुपए जुटाने होंगे। इधर केंद्र सरकार ने पहले से ही 78 लाख टन खरीदी की सीमा तय कर दी है, लिहाजा 82 लाख टन गेहूं सरप्लस हो जाएगा। वर्ष 2025 का भी सरप्लस गेहूं मिला तो मप्र में डेढ़ करोड़ टन से ज्यादा गेहूं हो जाएगा। इन परिस्थितियों के कारण खाद्य विभाग की सांसें फूली हैं। खाद्य विभाग के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हर साल 30 से 35 लाख टन मप्र से निर्यात होता था। खाड़ी युद्ध के कारण निर्यात बंद है और कीमतें काफी नीचे हैं। इसलिए ज्यादा संभावना है कि पूरा गेहूं समर्थन मूल्य पर सरकार को खरीदना पड़ जाए।

दवाओं का उत्पादन घटने की आशंका

मिडिल ईस्ट युद्ध के संकट के बीच आयात ड्यूटी में राहत अधूरी

विजय मत, भोपाल

खाड़ी संकट के बीच सरकार ने दवाओं के कच्चे माल के आयात पर ड्यूटी में पूरी तरह छूट दे दी है। ड्यूटी में दी गई यह छूट भी दवा कंपनियों के लिए नाकाफी है। असल में दवाओं के कच्चे माल के दामों में महीनेभर में इतनी बेतहाशा वृद्धि हुई है कि सरकार की दी गई छूट ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। इस सबके असर से जरूरी दवाओं के उत्पादन में भी अब कमी आने की आशंका जताई जा रही है। उत्पादन में कमी हुई तो आगे अस्पतालों और दवा की दुकानों में भी स्टाक कम हो सकता है। दवाओं के निर्माण में उपयोग आने वाला कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (एपीआई) का लगभग 80 फीसदी हिस्सा विदेश से आयात होता है।

सरकार बीते समय तक एपीआई के आयात पर 8 से 9 प्रतिशत तक ड्यूटी लगा रही थी। अब इसे शून्य कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि बढ़ती लागत से राहत देने की गरज से सरकार ने यह कदम उठाया है। साथ ही पेट्रोलियम के उपउत्पादों से भी आयात ड्यूटी घटाई है।

10 प्रतिशत की राहत मिल रही

मप्र बेसिक ड्रग डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी मूलचंदानी के अनुसार ड्यूटी घटाकर सरकार ने दवा निर्माताओं को राहत देने की कोशिश की है। हालांकि ये भी सच है कि दवा के कच्चे माल एपीआई की कीमतें जिस गति से बढ़ी हैं, उसके अनुपात में जो अभी राहत मिली है, उससे दवा निर्माताओं को अधिकतम 10 प्रतिशत तक राहत मिल सकती है। हालांकि इसका असर बाजार पर होने की उम्मीद कम है क्योंकि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि इससे कई गुना ज्यादा है। कच्चे माल की उपलब्धता भी सुगम नहीं है और विदेशी निर्यातक भी एडवांस भुगतान पर माल भेज रहे हैं। बीते महीनों में जो माल आया था, उससे अब तक दवा निर्माण चलता रहा। अब आगे की स्थिति क्या होगी, यह देखने वाली बात होगी।

उत्पादन 40% तक कम

एमपी स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्यूफेक्चरिंग एसोसिएशन के सचिव अजय दासुंदी के अनुसार सरकार ने एक ओर एपीआइ पर आयात शुल्क खत्म किया है। पैकेजिंग आदि के मामले में भी राहत दी है। यानी सरकार संकट को समझकर दवा उद्योगों के साथ खड़ी हो रही है। यह अच्छी बात है। हालांकि छोटे-मध्यम दवा उद्योग मांग कर रहे हैं कि सरकार को आपूर्ति के पुराने कांट्रेक्टों की समयसीमा आगे बढ़ा देना चाहिए। ताकि दवा आपूर्ति के लिए समय मिल सके। दवा निर्माताओं के अनुसार अब मार्च तक तो उत्पादन सुचारू रहा, लेकिन अप्रैल में दवाओं के उत्पादन में 30 से 40 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। ऐसा बढ़ती लागत व कच्चे माल की कमी के साथ उद्योगों के पास कार्यशील पूंजी अटकने के कारण होगा।

क्र.	दवा (API)	युद्ध से पहले (₹)	युद्ध के बाद (₹)
1	पैरासिटामोल	225	600
2	आइबुप्रोफेन	625	900
3	सिप्रोफ्लाक्सासिन	1600	2100
4	डाक्सीसाइक्लिन	3800	5000
5	एजिथ्रोमाइसिन	12000	14000
6	प्रापलिन ग्लाइकाल	150	400
7	ग्लिसरीन	140	250
8	एस्पार्टम	900	1250
9	सुक्रालोज	1100	1400
10	सीपीएम	1200	1500
11	विटामिन-सी	200	290
12	सिट्राजीन	1800	2200
13	एसाइक्लोफेनिक	900	1250
14	पेंटापेरोजोल	3600	5000
15	सिफेक्सीन	9000	10500

एम्स भोपाल-इरास्मस मेडिकल सेंटर के बीच फार्माकोजीनोमिक्स और प्रिसिजन मेडिसिन में अकादमिक सहयोग की पहल

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल लगातार चिकित्सा सेवाओं और शोध कार्यों में नई ऊँचाइयाँ स्थापित कर रहा है, जिससे संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। इसी क्रम में नीदरलैंड्स के रॉटरडैम स्थित इरास्मस मेडिकल सेंटर के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में एम्स भोपाल का दौरा किया और कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पैथोलॉजी विभाग के क्लिनिकल बायोइनफॉर्मेटिक्स विभाग के प्रमुख प्रो. पीटर जे. वान डेर स्पेक ने किया। बैठक के दौरान फार्माकोजीनोमिक्स और प्रिसिजन मेडिसिन के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग के लिए एक आशय पत्र औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया, जो दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक शोध सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एम्स भोपाल की ओर से इस परियोजना का नेतृत्व फार्माकोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. शुभम अटल करेंगे। वे इस प्रस्तावित परियोजना के प्रमुख अन्वेषक और नोडल प्रमुख होंगे। यह परियोजना 10 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत की है। एम्स भोपाल की टीम में सह-सहयोगी के रूप में फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. बालकृष्णन एस., ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग के डॉ. जितेंद्र सिंह और बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रो. अशोक कुमार शामिल हैं। इरास्मस के प्रतिनिधिमंडल में प्रो. हरि शंकर शर्मा और सुश्री लिंडा होडेलमैन्स भी शामिल थे।

प्रस्तावित सहयोग के अंतर्गत फार्माकोजीनोमिक पैनल परीक्षण पर एक व्यवहार्यता और प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट अध्ययन किया जाएगा, जिसमें स्केलेबिलिटी, नैदानिक उपयोगिता और स्वास्थ्य-आर्थिक प्रभाव का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक के दौरान दोनों संस्थानों के बीच चर्चाएं अत्यंत सकारात्मक रहीं। दोनों पक्षों ने एक विस्तृत और मजबूत शोध प्रस्ताव के माध्यम से इस सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

तस्करों से सांठगांठ के आरोप में सस्पेंड एसआई की मुश्किलें बढ़ी

लाखो में खरीदी गई करोड़ो कीमत की आठ एकड़ जमीन

पत्नी के नाम कराई रजिस्ट्री, जांच के बाद और कसेगा शिकंजा

विजय मत, भोपाल

गांजा तस्करों को पकड़कर थाने लाकर उनसे सांठगांठ करने के बाद थाने से बिना कोई कार्रवाई के छोड़ने के आरोप में सस्पेंड नजीराबाद थाना प्रभारी रहे अरुण शर्मा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उन पर लगे आरोपो के बाद अब उनके द्वारा सागौनी कलां में खरीदी गई 8 एकड़ से अधिक जमीने की छानबीन भी शुरू हो गई है। सब इंस्पेक्टर शर्मा ने 39 लाख 52 में यह जमीनें नवंबर 2025 में पत्नी के नाम से खरीदी हैं। आरोप है कि उन्होंने यह कृषि भूमि सस्ते में खरीदी है। जबकि इस जमीन की वास्तविक बाजार कीमत करीब 4 करोड़ आंकी जा रही है। सूत्रो के मुताबिक, यह जमीन बैरसिया के ग्राम सागौनी कलां की है। इस जमीन की असल बाजारू कीमत किसानों के द्वारा आठ से दस गुना च्यादा बताई जा रही है। एस आई के खिलाफ स्टाफ से बदसलूकी की जॉच डीएसपी मुख्यालय देहात अंतिमा समाधिया कर रही हैं। जांच में स्टाफ से बदसलूकी के साथ ही कुछ बिंदू और भी शामिल हैं। लेकिन मामले में थाना स्टाफ के बयान हुए इस बीच सब इंस्पेक्टर सस्पेंड हो गए।

बैरसिया थाने से मई में हटे थे सब इंस्पेक्टर

नजीराबाद थाना प्रभारी से पहले वह बैरसिया थाना प्रभारी के रूप में पदस्थ थे। मई 2025 में उन्हें इस थाने से हटाकर नजीराबाद भेजा गया था। चूंकि बैरसिया निरीक्षक स्तर का थाना है, इसलिए एसपी देहात ने मई 2025 में उन्हें हटाकर सब इंस्पेक्टर स्तर के थाने नजीराबाद भेजा था।

गांजा तस्करो को छोड़ने पर आये थे राडार पर

गौरतलब है की भोपाल देहात एसपी रामशरण प्रजापति ने थाने से हथकड़ी सहित फरार हुए बदमाशो की तलाश के दौरान पकड़े गए दो गांजा तस्करों से लेनदेन कर बिना कार्यवाही किये छोड़ने के मामले में नजीराबाद थाना प्रभारी उप निरीक्षक अरुण शर्मा को सस्पेंड किया था। इस मामले में सिपाही पर भी गाज गिरी है। मामले की जॉच एसपी ने बैरसिया एसडीओपी को जांच सौंपी थी। पुलिस के अनुसार 30 मार्च को इकबाल और जावेद काला नाम के दो बदमाशो को हथियार सहित उस समय दबोचा गया था, जब वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। उनसे पूछताछ होती उससे पहले ही दोनो बदमाश पुलिस को चकमा देकर थाने से हथकड़ी सहित भाग गए थे। हालांकि कुछ घंटों बाद इकबाल को दबोच लिया गया था। इस लापरवाही के मामले में उसी दिन संतरी आरक्षक रमेश चतुर्वेदी को सस्पेंड कर दिया गया था। इस मामले में फरार दूसरे आरोपी जावेद इकबाल को 1 अप्रैल को पकड़ा गया।

गाड़ी के मॉडिफिकेशन का शौक पड़ सकता है भारी, चालान से लेकर इंश्योरेंस तक जोखिम

विजय मत, भोपाल

राजधानी में गाड़ियों को स्टाइलिश बनाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। एलईडी लाइट, तेज आवाज वाले साइलेंसर, हाई पावर म्यूजिक सिस्टम और स्ट्रक्चर में बदलाव युवाओं की पहली पसंद बन रहे हैं, लेकिन यह शौक कई बार सीधे कानून के दायरे में ला खड़ा करता है। परिवहन नियमों के मुताबिक वाहन में बिना अनुमति किए गए बदलाव अवैध हैं और इसके लिए भारी चालान से लेकर गाड़ी जब्ती तक की कार्रवाई हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वाहन निर्माता द्वारा तय स्पेसिफिकेशन में बदलाव नहीं किया जा सकता। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार सबसे ज्यादा कार्रवाई जिन मामलों में होती है, उनमें शामिल हैं - हाई बीम या रंगीन एलईडी-फ्लैश लाइट, मॉडिफाइड या तेज आवाज वाले साइलेंसर, गाड़ी की बॉडी-चेसिस में बदलाव, मूल रंग बदलना (बिना आरटीओ अनुमति), फैंसी या नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और ओवरसाइज टायर या ग्राउंड क्लीयरेंस में छेड़छाड़। ट्रैफिक अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में हर महीने सैकड़ों चालान बनाए जा रहे हैं। कई बार वाहन जब्त कर कोर्ट कार्रवाई भी की जाती है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, अगर मॉडिफिकेशन की वजह से हादसा होता है तो प्राथमिक जिम्मेदारी वाहन मालिक की होती है। हालांकि, अगर यह साबित हो जाए कि गैरेज ने गलत तरीके से बदलाव किया या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया, तो उस पर भी कार्रवाई हो सकती है। वाहन में अनधिकृत बदलाव कराना खुद मालिक का निर्णय होता है, इसलिए दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी से बचना आसान नहीं होता।

इंश्योरेंस क्लेम पर भी खतरा

इंश्योरेंस एडवाइजर का कहना है कि इंश्योरेंस कंपनियां वाहन के मूल ढांचे के आधार पर पॉलिसी जारी करती हैं। यदि गाड़ी में बिना जानकारी दिए बदलाव किया गया है, तो क्लेम खारिज किया जा सकता है। आग लगने या शार्ट सर्किट के मामलों में विशेष जांच होती है मॉडिफाइड वायरिंग या बैटरी मिलने पर क्लेम रिजेक्ट हो सकता है साइलेंसर या इंजन में बदलाव से जुड़े एक्सीडेंट भी क्लेम विवाद में आते हैं।

विजय मत एंकर राज्यसभा चुनाव से पहले बढ़ी सियासी हलचल

गुटबाजी और तालमेल की कमी से बढ़ सकती है कांग्रेस की मुश्किलें

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 की हार के बाद संगठनात्मक बदलाव के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गुटबाजी और तालमेल की कमी की समस्या बरकरार है। इसका असर अब पार्टी के संगठन और विधायक दल के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। राज्यसभा चुनाव से पहले यह स्थिति कांग्रेस के लिए नई चुनौती बनती नजर आ रही है। पार्टी के भीतर समन्वय की कमी के चलते विधायकों और संगठन के बीच दूरी बढ़ी है, जिससे राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बन रहा है। हाल के घटनाक्रमों में एक विधायक के पाला बदलने, एक के मतदान में असमर्थ रहने और एक अन्य को सजा मिलने जैसी स्थितियों ने पार्टी की संख्या और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व पर यह आरोप लग रहे हैं कि वह केवल कुछ चुनिंदा नेताओं तक सीमित हो गया है, जिससे जमीनी स्तर पर असंतोष बढ़ रहा है। दतिया के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती से जुड़े विवाद ने भी पार्टी के भीतर मतभेदों को उजागर किया है। वर्तमान स्थिति में कांग्रेस के पास राज्यसभा की एक सीट सुरक्षित करने के लिए आवश्यक संख्या तो है, लेकिन क्रॉस वोटिंग और आंतरिक असंतोष के कारण स्थिति जटिल बनी हुई है।

संगठन और विधायक दल के बीच बढ़ती दूरी

पार्टी के भीतर यह धारणा मजबूत हो रही है कि संगठन विधायकों की राजनीतिक और कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह सफल नहीं रहा है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच अधिकारों को लेकर विवाद की चर्चा भी सामने आई है। इससे विधायक दल में असंतोष और अस्थिरता का माहौल बना है, जिसका असर पार्टी की एकजुटता पर पड़ रहा है।

कांग्रेस का दावा... मिलकर देंगे मुकाबला

प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि विधायकों से जुड़े मामलों का संगठन से सीधा संबंध नहीं है और सभी नेता मिलकर चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पार्टी का कहना है कि संगठन मजबूत है और राज्यसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दी जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात को देखते हुए यह चुनाव कांग्रेस के लिए परीक्षा साबित हो सकता है।

घटती संख्या और क्रॉस वोटिंग का खतरा

विधानसभा चुनाव 2023 में 66 सीटें जीतने वाली कांग्रेस की संख्या घटकर करीब 61 तक पहुंच गई है। एक विधायक के पाला बदलने, एक के मतदान न कर पाने और एक को सजा मिलने के कारण पार्टी की स्थिति कमजोर हुई है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव में दो सीटों पर भाजपा की बढ़त तय मानी जा रही है, जबकि तीसरी सीट के लिए कांग्रेस को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। क्रॉस वोटिंग की आशंका ने पार्टी की चिंता और बढ़ा दी है।

संस्थापक
मनोज कुमार अग्रवाल

मज़हब, मानवता और वैचारिक संघर्ष का विमर्श

उमेश कुमार सिंह

> भारतीय समाज में धर्म, मज़हब और मानवता के संबंधों को लेकर सदियों से विचार-विमर्श चलता रहा है, किंतु समकालीन समय में यह बहस और अधिक तीव्र और प्रासंगिक हो गई है। इसी संवेदनशील और जटिल विषय को केंद्र में रखकर लेखक डॉ. राकेश कुमार आर्य की पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' एक वैचारिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है। यह पुस्तक केवल धार्मिक विमर्श तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक संरचना, ऐतिहासिक घटनाओं और मानवीय मूल्यों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अपने तर्क प्रस्तुत करती है। प्रकाशन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्था डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' अपने तीखे दृष्टिकोण और स्पष्ट वैचारिक आग्रह के कारण विशेष ध्यान आकर्षित करती है।

पुस्तक का मूल कथ्य यह है कि मज़हब ने मानव को उसकी मूल पहचान से दूर कर दिया है। लेखक का मानना है कि मज़हब व्यक्ति को विभिन्न धार्मिक पहचान तो देता है, परंतु उसे वास्तविक अर्थों में 'मानव' बनने से रोकता है। यह विचार पुस्तक के आरंभिक अंशों से ही स्पष्ट रूप से सामने आता है, जहाँ लेखक समाज की उस प्रवृत्ति की आलोचना करते हैं जिसमें व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, सम्प्रदाय और बाहरी पहचान के आधार पर किया जाता है। लेखक के अनुसार यह स्थिति मानवीय गरिमा के विपरीत है और समाज को विभाजन की ओर ले जाती है।

लेखक ने इस बात पर विशेष बल दिया है कि आधुनिक समाज में संवाद की शुरुआत भी अक्सर जाति और धर्म के प्रश्नों से होती है, जबकि मानवीय गुणों, ज्ञान और संवेदनशीलता पर चर्चा गौण हो गई है। यह अवलोकन न केवल सामाजिक यथार्थ को उजागर करता है, बल्कि पाठक को आत्ममंथन के लिए भी प्रेरित करता है। पुस्तक का यह भाग विशेष रूप से प्रभावशाली है क्योंकि यह पाठक को सीधे उसके अपने अनुभवों से जोड़ता है।

इतिहास के संदर्भ में लेखक ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि विश्व के अधिकांश संघर्षों और युद्धों के पीछे मज़हबी कारण प्रमुख रहे हैं। क्रूसेड युद्धों से लेकर मध्यकालीन आक्रमणों तक, पुस्तक में अनेक उदाहरणों के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार धार्मिक उन्माद ने हिंसा और विभाजन को जन्म दिया। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लेखक का दृष्टिकोण कई स्थानों पर एकपक्षीय प्रतीत होता है, जहाँ कुछ विशेष समुदायों और विचारधाराओं की आलोचना अधिक तीव्र रूप में की गई है। यह पहलू पाठक को संतुलित दृष्टि से पढ़ने और समझने की आवश्यकता का संकेत देता है।

पुस्तक में 'धर्म' और 'मज़हब' के बीच एक स्पष्ट भेद स्थापित किया गया है। लेखक के अनुसार धर्म वह है जो मनुष्य को धारण करता है और उसे नैतिक तथा मानवीय बनाता है, जबकि मज़हब एक सीमित पहचान के रूप में कार्य करता है जो विभाजन को बढ़ावा देता है। वेदों के उद्धरणों के माध्यम से लेखक यह स्थापित करने का प्रयास करते हैं कि वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को 'मनुष्य' बनाना है। यह विचार भारतीय दार्शनिक परंपरा की उस मूल भावना को अभिव्यक्त करता है जिसमें मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। समकालीन संदर्भ में पुस्तक की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। आज जब समाज में सांप्रदायिक तनाव, असहिष्णुता और वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, ऐसे में यह पुस्तक एक चेतावनी के रूप में सामने आती है। लेखक ने यह इंगित किया है कि वैज्ञानिक प्रगति और भौतिक उन्नति के बावजूद मानव की सोच संकीर्ण होती जा रही है और आध्यात्मिक विकास लगभग शून्य की अवस्था में है। यह विश्लेषण आधुनिक समाज की एक महत्वपूर्ण विडंबना को उजागर करता है। पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संदर्भ में भी लेखक ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, जहाँ वे कुछ धार्मिक मान्यताओं को पर्यावरणीय असंतुलन के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। यह दृष्टिकोण पुस्तक को एक व्यापक विमर्श का हिस्सा बनाता है, हालांकि इस विषय पर भी संतुलित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता महसूस होती है।

लेखक की भाषा शैली सरल, स्पष्ट और प्रभावपूर्ण है। वे अपने विचारों को सीधे और बिना किसी जटिलता के प्रस्तुत करते हैं, जिससे पुस्तक सामान्य पाठक के लिए भी सुलभ बन जाती है। साथ ही, उनकी लेखनी में एक प्रकार की वक्तृता और वैचारिक तीक्ष्णता भी दिखाई देती है, जो पाठक को प्रभावित करती है और उसे सोचने के लिए प्रेरित करती है।

डॉ. राकेश कुमार आर्य का व्यक्तित्व और पृष्ठभूमि भी इस पुस्तक की वैचारिक दिशा को समझने में सहायक है। एक इतिहासकार, वक्ता और राष्ट्रवादी चिंतक के रूप में उनकी पहचान इस कृति में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने और एक वैचारिक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। उनकी अन्य कृतियों की तरह यह पुस्तक भी एक विशेष वैचारिक धारा का प्रतिनिधित्व करती है। पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि लेखक ने इसे किसी विशेष समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक सुधार के उद्देश्य से लिखा है। वे बार-बार यह स्पष्ट करते हैं कि उनका उद्देश्य समाज में मानवीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करना है। यह दृष्टिकोण पुस्तक को केवल आलोचना तक सीमित नहीं रखता, बल्कि इसे एक सकारात्मक दिशा भी प्रदान करता है।

हालांकि, यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि पुस्तक में प्रस्तुत कई विचार विवादास्पद हो सकते हैं और सभी पाठकों से सहमति प्राप्त करना संभव नहीं है। विशेष रूप से जब किसी एक दृष्टिकोण को अधिक महत्व दिया जाता है, तो अन्य दृष्टिकोणों की उपेक्षा का जोखिम बना रहता है। इसलिए इस पुस्तक को पढ़ते समय पाठकों को एक आलोचनात्मक और संतुलित दृष्टि अपनाने की आवश्यकता है।

समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' एक विचारोत्तेजक और बहस को जन्म देने वाली कृति है। यह पुस्तक पाठकों को अपनी स्थापित मान्यताओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करती है और मानवता को केंद्र में रखकर समाज की संरचना को देखने का आग्रह करती है। वर्तमान समय में, जब सामाजिक विभाजन और वैचारिक संघर्ष बढ़ रहे हैं, ऐसी पुस्तकों की आवश्यकता और भी अधिक महसूस होती है। यह कृति उन पाठकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो धर्म, इतिहास और समाज के अंतर्संबंधों को गहराई से समझना चाहते हैं। साथ ही, यह पुस्तक एक संवाद की शुरुआत भी करती है, जिसमें विभिन्न दृष्टिकोणों के बीच संतुलन और समझ विकसित करने की संभावना निहित है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है ईरान युद्ध

अमेरिका इजराइल-ईरान वार दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला रहा है। जान लीजिए कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा,बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की जेब पर भी साफ दिखने लगा है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत जिस तरह से महंगाई के झटके के साथ हुई है, वह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में आर्थिक चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी, सप्लाई चेन में बाधा और वैश्विक अनिशितता, ये सभी कारक मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं। अप्रैल के पहले ही दिन जिस तरह एलपीजी, हवाई इंधन (एटीएफ) और प्रीमियम ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि हुई, उसने आम आदमी से लेकर उद्योग जगत तक सभी को प्रभावित किया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और एटीएफ का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना यह दर्शाता है कि ऊर्जा क्षेत्र में संकट गहराता जा रहा है। हालांकि आम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल बदलाव नहीं किया गया, लेकिन प्रीमियम ईंधन महंगा होने से परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर असर पड़ना तय है। इसका सीधा असर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ती है।

आमतौर पर हर युद्ध महंगाई बढ़ाने का कारण बनता है, लेकिन इस संघर्ष में खाड़ी देश शामिल हैं, जो दुनिया की ज्यादातर कच्चे तेल और गैस की जरूरत पूरी करते हैं, इसलिए ऊर्जा की कीमतें बढ़ने से महंगाई और तेजी से बढ़ती है. इसके अलावा समुद्री व्यापार के रास्तों में रुकावट के कारण सामान और कच्चे माल की कमी भी महंगाई बढ़ाती है.जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता है, यह समस्या और गंभीर होती जाती है. महंगाई से लोगों की खरीदने की क्षमता कम हो जाती है, ज़रूरी सामान की कमी होती है और सरकारों की इन खर्चों को संभालने की क्षमता भी कम हो जाती है, जिससे सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ता है.यह साफ है कि युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और जरूरी सामान की कमी का सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है. इसके अलावा सामाजिक अशांति भी होगी, जिसका असर आम लोगों पर ही पड़ेगा.

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु संयम जरुरी

संजय गोस्वामी

> आज पूरे मीडिया में यूएस-इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहे हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है

ईरान मिसाइल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गई है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो क़ोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु क़ोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मेँ भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8688

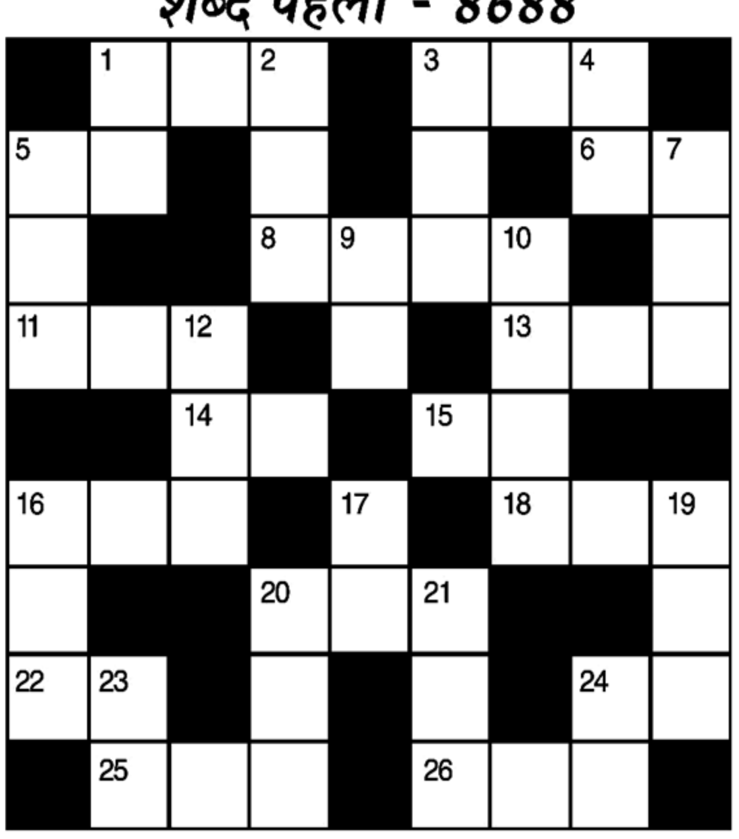

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब,शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश,बरखा-4
11. शांति,सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला,मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां,मम्मी,मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार,अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज,नखरा,चौंचला-2
2. भाग्य,किस्मत-3
3. अचानक,अकस्मात -3
4. देह,बदन-2
5. बिजली,विद्युत रश्मि-3
7. दबाना,कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत,युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा,शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र,आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8687 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.16 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.54 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.24 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.36 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.01 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.17 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मकर	01.22 बजे से
		कुंभ	03.09 बजे से
		मीन	04.42 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 96 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 15.25 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.11 बजे तदनन्तर कौलव 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872671
जूलियन दिन 2461136.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

कन्या विद्यालय के समीप शराब की दुकान से बढ़ रही मुसीबत

सीधी। जिले के चुरहट नगर में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप संचालित शराब दुकान छात्राओं के लिए मुसीबत बन रही है, विद्यालय आने जाने वाली छात्राओं को यहां बैठने वाले शराबी अश्लील भाषाओं से संबोधित कर जलील करते हैं। उल्लेखनीय हैं कि चुरहट नगर में इन दिनों शराबियों का आतंक फैला हुआ है। इसके पीछे की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि शराब दुकान के समीप संचालित अवैध अहातों में बैठाकर शराब पिलाने की जो सुविधा उपलब्ध कराई जाती है उसी के चलते यहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। सड़क में शराबियों के द्वारा वाहनों को लोगों के घर के सामने खड़ा कर दिया जाता हैं, अगर उन्हें वाहन खड़ा करने से मना किया जाता है तो वह मारपीट व गाली गलौज में उतारू हो जाते हैं । प्रमुख बात यह है कि शराब दुकान से महज 300 मीटर की दूरी पर कन्या विद्यालय स्थित है। नशे में चूर शराबियों के चलते यहां आए दिन विवाद होता रहता है । शराबियों द्वारा जब भी छात्राएं विद्यालय के लिए निकलती है तो उन्हें देखकर अनर्गल बात व अश्लील गाना गाते हैं। शाम को महिलाए जब मंदिर जाती है तो शराबियों द्वारा परेशान किया जाता है। शर्म की वजह से महिलाएं व छात्राएं किसी से शिकायत नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में चुरहट नगर के व्यस्ततम और संवेदनशील इलाके में अवैध अहाते संचालित है। चुरहट में शराब दुकान संचालन को लेकर सारे नियमों को ताक पर रख दिया गया है, शराब कारोबारी द्वारा धड़ल्ले से हाइवे पर एक नहीं दो - दो दुकानें संचालित कर रखी है। बता दें कि मॉडल स्कूल के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 39 में सड़क किनारे दुकान चल रही है, इसी तरह मोहनिया टनल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर ही शराब दुकान चलाई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि सरकार द्वारा सड़क हादसों को रोकने के लिए यह साफ निर्देश दिया गया है कि हाइवे से 500 मीटर दूर पर ही शराब दुकान खोली जा सकती है, लेकिन सीधी में हाइवे का नियम सिर्फ हवा हवाई ही साबित हो रहा है।चुरहट नगर में संचालित शराब दुकान से शराब खरीदी की एक तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रही है, जिसमें एक नाबालिग को धड़ल्ले से शराब की दुकानदार द्वारा बेची जा रही है। जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि शराब कारोबारी द्वारा किस प्रकार नियमों का पालन किया जा रहा है।

बाइक सवारों ने बेरहमी से युवक को किया चोंटिल

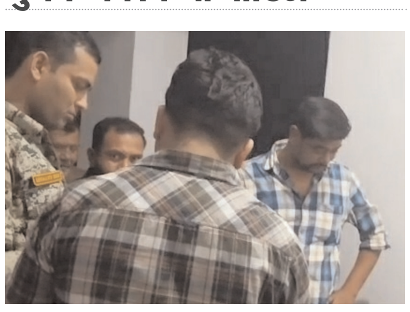

सीधी। जिले के मड़वास थाना अंतर्गत पुलिस चौकी पथरौला के सिरौला छांदा में बाइक सवारों ने एक युवक के साथ काफी बेरहमी के साथ मारपीट करते हुए उसे चोंटिल कर दिया। गहरी चोंटे आने पर घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मिली जानकारी के अनुसार 4 अप्रैल को सुबह करीब 11:30 बजे बाइक पर सवार होकर दो युवक सिरौला छांदा के पास पहुंचे। यहां पर रामसखा गुप्ता की बाइक पर संदीप कुमार गुप्ता भी सवार थे। बनिया टोला निवासी दोनो युवकों को बाइक से रितिक द्विवेदी, सतीष द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी, सत्यम द्विवेदी द्वारा अन्य पांच लोगों के साथ रोंक कर गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दिए। मारपीट से बचकर संदीप कुमार गुप्ता भाग खड़ा हुआ। लेकिन रामसखा गुप्ता के साथ काफी बेरहमी से मारपीट की गई। रामसखा के सिर में डंडा लगने से खून बहने लगा तथा दोनो हांथ एवं पैर में चोंटे आईं। पथरौला चौकी में आरोपियों के विरुद्ध धारा 126(2), 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक संपन्न

उमरिया । ग्राम विकास प्रस्फूटन समिति नरवार-25 की मासिक बैठक अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में आगामी शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभांवित करने पर चर्चा , समिति के दस्तावेजों की प्रक्रिया एवं लेखन व्यवस्था पर विस्तार से विचार-विमर्श, जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण पर चर्चा पर चर्चा की गई।इस अवसर पर उपस्थित जनों को रैली निकालकर नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई । ग्राम नरवार के प्रवेश स्थल पर जागरूकता बोर्ड स्थापित किया गया। बैठक में समिति के सभी सदस्य,ग्राम पंचायत के सचिव रतन सिंह एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष 7 को सीधी आएंगी

सीधी। महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया का 7 अप्रैल को सीधी आगमन प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे प्रातः 10:00 बजे जवाहर कांग्रेस भवन पहुंचेंगी, जहां सेवा दल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की जाएगी।बैठक में संगीता कांकरिया पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठन की वर्तमान स्थिति, मजबूती एवं विस्तार को लेकर मार्गदर्शन देंगी। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।इस दौरान जिला एवं ब्लॉक स्तर के सेवा दल पदाधिकारी, महिला कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अन्य संबंधित कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

लॉज भवन ढहा, 6 लोग मलबे में, तीन की मौत, तीन घायल

मंत्री दिलीप जायसवाल रातभर डटे रहे, मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड और आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया गया

विजय मत, अनूपपुर

जिले के कोतमा नगर में शनिवार शाम को हुए दर्दनाक लॉज भवन हादसे ने पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। करीब 18 घंटे तक चल रहे राहत और बचाव अभियान के बाद रविवार को रेस्क्यू कार्य समाप्त हुआ। हादसे में मलबे में दबे 6 लोगों में से 3 की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में से दो को शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में जारी है। एक घायल का उपचार कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। मृतकों की पहचान हनुमान दीन यादव (55), रामकृपाल यादव (40) और राधाबाई कोल (45) के रूप में हुई है।

रातभर मौके पर डटे मंत्री

प्रदेश के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल पूरी रात घटनास्थल पर मौजूद रहे और रेस्क्यू ऑपरेशन की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखे ।एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों के साथ एसईसीएल जमुना कोतमा, जेएमएस कंपनी रेस्क्यू टीम और अदानी कंपनी की रेस्क्यू टीम ने भी रातभर मलबा हटाने और बचाव कार्य में जुटी रही। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड और आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

हादसे की वजहः निर्माण में लापरवाही

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि भवन के पास खोदा गया करीब 12 फीट गहरा गड्ढा और उसमें भरा पानी नींव को कमजोर करने का मुख्य कारण बना। इससे भवन का ढांचा झुक कर भरभराकर गिर गया। पुलिस ने लॉज मालिक और पास में निर्माण करा रहे भू-स्वामी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद प्रशासन सक्रिय दिखा, लेकिन स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने निर्माण कार्यों की निगरानी और सुरक्षा मानकों पर सवाल उठाए। कई लोगों का कहना है कि यदि पहले से सुरक्षा और अनुमति का पालन किया जाता तो यह हादसा टाला जा सकता था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसमें मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4 लाख, संबल योजना से 4 लाख और रेडक्रॉस से 1 लाख रुपये शामिल हैं। घायलों को 2-2 लाख रुपये मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से और 50-50 हजार रुपये रेडक्रॉस से दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था की गई है। गंभीर रूप से घायलों को शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है, जबकि अन्य का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में चल रहा है।

घटना के बाद राहत और बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, प्रशासन और एसईसीएल की टीमों ने संयुक्त रूप से काम किया। आधुनिक मशीनों और डॉग स्क्वॉड की मदद से मलबे की गहन तलाशी ली गई। सरकार ने हादसे की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार और मंत्री दिलीप जायसवाल मौके पर मौजूद रहकर पूरी रात राहत कार्यों की निगरानी करते रहे। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने रेस्क्यू में जुटी सभी टीमों और स्थानीय नागरिकों का आभार जताया।

चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, अमरकंटक में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 45 मरीजों को मिला लाभ

विजय मत, अमरकंटक

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुल 45 मरीजों का पंजीयन कर उन्हें समुचित चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया।

शिविर में अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें डॉ. आशुतोष पाठक, डॉ. एस. के. तिवारी, तथा डॉ. अंबिकेश पांडेय प्रमुख रूप से शामिल रहे। इनके साथ ही श्रीमती पाठक ने भी सेवाभाव से योगदान दिया। औषधि वितरण की जिम्मेदारी अभिषेक मिश्रा द्वारा कुशलतापूर्वक निभाई गई।

इस स्वास्थ्य शिविर में सामान्य रोगों के साथ-साथ लकवा (पक्षाघात) एवं मिर्गी जैसे जटिल रोगों से पीड़ित मरीजों को भी विशेष परामर्श दिया गया, जिससे मरीजों को उचित दिशा एवं उपचार की जानकारी प्राप्त हुई।

शिविर के सफल संचालन में स्थानीय सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रामसनेही नापित, सुखनंदन सिंह, राजेश कुमार तिवारी, ईश्वरी पांड्रम तथा दीपक कुमार चंद्रवंशी ने इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर न केवल चिकित्सा सेवा प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करने का कार्य किया। ऐसे आयोजन ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शराब दुकान के सेल्समैन पर जानलेवा हमला

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थाना के पुलिस चौकी पिपरांव अंतर्गत ग्राम बुढगौना के लायसेंसी शराब दुकान के सेल्समैन रावेन्द्र सिंह चौहान के साथ 4 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 10 बजे दुकान में मारपीट करते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। यह मारपीट मुफ्त में शराब न देने को लेकर हुई। हांथ-घूंसा, मुक्का, डंडा एवं राड से दुकान के अंदर सेल्समैन पर जानलेवा हमला किया गया। सभी हमलावर चार पहिया वाहन में सवार होकर आए थे। घायल सेलसमैन की रिपोर्ट पर पिपरांव चौकी पुलिस ने आरोपी अमर सिंह परिहार गौतम सिंह परिहार, संदीप सिंह, अंकित बैस, अनुराग पाण्डेय, पंकज कोरी, अजय प्रताप सिंह के विरुद्ध धारा 296(बी), 115(2), 119 (1), 331(5), 351 (3), 3 (5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की।

अर्चना सिंह ने नवोदय विद्यालय अमरकंटक के प्राचार्य पद का संभाला कार्यभार

विजय मत, अमरकंटक

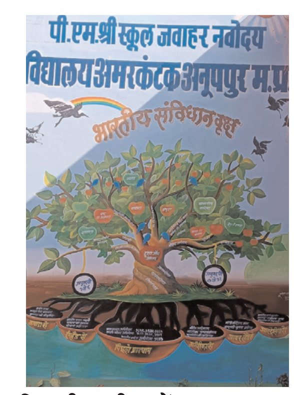

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में अर्चना सिंह पायक ने प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने यह दायित्व पूर्व प्राचार्य आशीष शुक्ला से संभाला।आशीष शुक्ला का स्थानांतरण अब पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय दमोह में हो गया है, जहां वे अपने मूल पद प्रभारी प्राचार्य के रूप में लौटे हैं। लगभग 9 माह पहले दमोह से अमरकंटक आए आशीष शुक्ला ने अपने कार्यकाल के दौरान विद्यालय में उल्लेखनीय और सराहनीय कार्य किए। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की।नव नियुक्त प्राचार्य अर्चना सिंह पायक इससे पहले दतिया में वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत थीं। विभागीय परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उनका स्थानांतरण अमरकंटक में प्राचार्य पद पर किया गया।पदभार ग्रहण समारोह में वरिष्ठ शिक्षक डी.एस. सेंगर, रमेश सिंह, एम.एल. कोरी, मनोरमा कौशल सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रशासन ने नए प्राचार्य के नेतृत्व में विद्यालय की गुणवत्ता और छात्र-शिक्षक संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की उम्मीद जताई।

विवाद के दौरान पत्थर से घायल, एफ आईआर दर्ज

विजय मत, अनूपपुर

बिजुरी थाना क्षेत्र के ग्राम बैहाटोला में कल रात 1ण्30 बजे एक पारिवारिक विवाद गंभीर रूप ले लिया। अंकिता सिंह ;35 वर्षद्ध ने अपने पति धर्मेन्द्र सिंह के साथ हुए झगड़े की रिपोर्ट थाना बिजुरी में दर्ज कराई। प्रथम सूचना के अनुसारए धर्मेन्द्र सिंह अपने चाचा.ससुर के बेटे राहुल सिंह से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे थे। राहुल ने कहा कि ताऊजी से बात कराओ। धर्मेन्द्र ने बताया कि ताऊजी को लकवा मार गया हैए जिसके कारण वे बोल नहीं पा रहे हैं। इसी दौरान उनके जेठए मृगेन्द्र सिंहए अपने घर से आए और अंकिता व धर्मेन्द्र को गाली.गलौच करते हुए धमकाया। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मेन्द्र परिवार की संपत्ति अपने नाम करना चाहते हैं। मृगेन्द्र सिंह की पत्नी आभा सिंह भी मौके पर आ गई और दोनों ने अंकिता को गाली दी।

घटना में उनकी बेटी आकांक्षा सिंह ने पत्थर उठाकर अंकिता के दाएं हाथ की कलाई पर माराए जिससे चोट और खून बहने लगा। डर के कारण अंकिता ने दरवाजा बंद कर लिया। आरोपी धमकी देते हुए घटनास्थल से चले गए।

आधी रात खदान में धावाःपुलिस की सटीक घेराबंदी, 4 शातिर चोर गिरफ्तार!

विजय मत, अनूपपुर

जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपराध चाहे जितनी चालाकी से क्यों न किया जाए, कानून की पकड़ से बच पाना नामुमकिन है। अमाडांड़ ह्ष्टरू कोयला खदान में चोरी की वारदात को रामनगर पुलिस ने फिल्मी अंदाज में नाकाम कर दिया।

खदान के सुरक्षा प्रभारी संजय कुमार मिश्रा ने जैसे ही स्टोर में केबल चोरी की सूचना दी, पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर चारों ओर से घेराबंदी की और आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम और एसडीओपी कोतमा नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। जहाँ पुलिस ने अपराध क्रमांक 91/26

के तहत धारा 331(4), 305(क्र) और 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तार आरोपीयों मे जैनुल आबेदीन (36), मोहम्मद साकिल (25), जलेश्वर चौधरी (35) निवासी कोतमा और रामदास (42) निवासी मलगा।

75 हजार का माल जब्त

पुलिस ने आरोपियों सेन्टीवीएस स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल (70,000) एक एंड्रॉइड मोबाइल दो कीपैड मोबाइल 5-7 मीटर कॉपर केबल (?5,000) बरामद किया। उक्त कार्यवाही मे एएसआई विनोद नाहर, प्रधान आरक्षक अमित पटेल और आरक्षक मूरत सिंह की अहम भूमिका इस कार्रवाई में रही।

इनका कहना है।

मुखबीर कि सुचना मे तत्काल मौके पर पहुंचकर रणनीति के तहत घेराबंदी की, जिससे आरोपियों को चोरी करते समय ही पकड़ लिया गया। क्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सुमित कौशिक
थाना प्रभारी रामनगर

स्वागत

1 साल जेल की सजा व 12 लाख रूपये प्रतिकर देने का जारी किया आदेश

चेक बाउंस का खेल नहीं, आरोपी ने की भरोसे की हत्या! 6 साल बाद कोर्ट का प्रहार

विजय मत, अनूपपुर

आखिरकार न्याय की धीमी चाल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि देर हो सकती है लेकिन अंधेर नहीं। अनूपपुर अमरकंटक रोड निवासी कमलेश द्विवेदी को चेक बाउंस के मामले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट मनेन्द्रगढ़ ने 28 मार्च 2026 को दोषी ठहराते हुए 1 साल की सजा और 12 लाख रुपये पीड़ति को चुकाने का आदेश सुनाया है। अदालत ने साफ कहा अगर जुर्माना नहीं चुकाया गया तो आरोपी को 3 महीने की अतिरिक्त जेल की सजा भी भुगतनी होगी।

भरोसे का सौदा और फिर धोखे की कहानी

मामला सिर्फएक चेक बाउंस का नहीं, बल्कि भरोसे के साथ हुए बड़े खेल का है। पीड़ति राजेश अग्रवाल ;मनेन्द्रगढ़ ने बताया कि जान.पहचान का फायदा उठाकर कमलेश द्विवेदी ने 2018 में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शुरू करने के नाम पर 12 लाख उधार लिए जिसमें 10 लाख फिक्स डिपॉजिट और 2 लाख नकद शामिल थे।

लेकिन रकम लेने के बाद आरोपी ने न केवल पैसा लौटाने से मुंह मोड़ लिया, बल्कि लगातार बहानेबाजी और टालमटोल करता रहा।

पते बदलकर खेल लोगों को बनाता रहा निशाना

पीड़ित का आरोप है कि कमलेश द्विवेदी का यह कोई पहला मामला नहीं है। वह अनूपपुर कोतमा और मनेन्द्रगढ़ सहित अलग.अलग जगहों पर पते बदल.बदलकर लोगों को फंसाता रहा और लाखों रुपये डकारता रहा। सवाल उठता हैएक्या यह सिर्फ एक केस है या एक संगठित ठगी का पैटर्न।

6 साल की कानूनी जंग के बाद फैसला

राजेश अग्रवाल ने आखिरकार न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और चेक अनादरण ;धारा 138 के तहत केस दर्ज कराया। 6 साल लंबी सुनवाई गवाहों और दस्तावेजों के गहन परीक्षण के बाद कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। स्थानीय स्तर पर किसी को भनक नहीं लगी क्या और भी लोग इस तरह के जाल में फंसे हैं यह फैसला जहां एक पीड़ित को राहत देता हैए वहीं प्रशासन और सिस्टम की सतर्कता पर भी बड़े सवाल खड़े करता है। न्यायलय के इस आदेश से साफसंदेश है की अब चेक बाउंस को श्छोटा अपराधश् समझने वालों के लिए यह फैसला एक चेतावनी है भरोसे के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों को अब जेल की सलाखें ही इंतजार कर रही हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत क्रमांक- 50 एड ग्राम संबायत धनगवा पूर्वी
जनपद पंचायत जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)
दिनांकः 01-04-2026

// अल्पकालीन निविदा सूचना //

ग्राम पंचायतधवरावांपूर्वी के अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण सामग्री (सीमेंट, ईंट, रेत, गिट्टी, सरिया आदि) की आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फॉर्म दिनांक से ग्राम पंचायत कार्यालय से कार्यालयीन समय में राशि रू. 500/- जमा कर प्राप्त किए जा सकते है। निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथिः 18-4-26 (दोपहर .....3.. बजे तक) है। निविदा दिनांक 92/26 (शाम 3.....बजे) को ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जावेगी। विस्तृत नियम, शर्तें एवं सामग्री की सूची कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत सचिवालय से प्राप्त की जा सकती है।

शन्नू कोल
सचिव
ग्राम पंचायत धनगवां पूर्वी

न्यूज इन शॉर्ट

सीएमओ ने नगर के व्यावसायिक क्षेत्रों का किया निरीक्षण, स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी धनपुरी सुश्री पूजा बुनकर ने स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के तहत नगर पालिका धनपुरी क्षेत्र के चौपाटी एवं विभिन्न वार्डों के व्यावसायिक क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चौपाटी सहित सभी वार्डों में नियमित और बेहतर सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, आवश्यकतानुसार रंगाई-पुताई कर क्षेत्रों को आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के निर्देश भी दिए, ताकि नगर की छवि और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बन सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगर के प्रत्येक क्षेत्र में साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर नगर पालिका का मैदानी अमला उपस्थित रहा।

कलेक्टर ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय का किया निरीक्षण, शिक्षा व्यवस्था की सराहना की

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत संचालित शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी का निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोई कक्ष, कक्षाओं, प्रधानाध्यापक कक्ष एवं विद्यालय परिसर का अवलोकन किया। कलेक्टर ने विद्यालय में साफ-सफाई, रख-रखाव एवं शिक्षा व्यवस्था के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों से चर्चा कर विद्यालय में पदस्थ स्टाफ एवं विद्यार्थियों की संख्या के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, प्राचार्य श्री संजय पांडे, प्रधानाध्यापक श्रीमती जयश्री जायसवाल सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्युत समाधान योजना की अवधि 15 मई तक बढ़ाई गई

शहडोल। राज्य सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय व अंतिम चरण को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि यह सरचार्ज में छूट का अंतिम अवसर है, इसका लाभ जरूर लें।बकायादार उपभोक्ताओं के लिए योजना बनी वरदान यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना में सरचार्ज में 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है। समाधान योजना में तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि यदि वे तीन माह से अधिक के बकाएदार हैं और योजना में अभी तक शामिल नहीं हो पाए वे अब 15 मई तक योजना में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

गैस डिलेवरी के नाम पर 'ओवरचार्जिंग' का खेल

तय कीमत से 150 रुपये तक ज्यादा वसूली, 937 रुपये का सिलेंडर 1100 में, उपभोक्ता बोले-मजबूरी का फायदा उठा रहे वितरक

विजय मत, शहडोल

शहडोल में रसोई गैस उपभोक्ता इन दिनों दोहरी मार झेल रहे हैं। एक तरफ सिलेंडर के बढ़े दाम, तो दूसरी ओर होम डिलेवरी के नाम पर खुली लूट। तय कीमत 937 रुपये होने के बावजूद उपभोक्ताओं से 1000 से 1100 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। नियमों में डिलेवरी शुल्क का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद एजेंसियों और वितरकों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही।

डिलेवरी नहीं, 'डर' का चार्ज नहीं देने पर सिलेंडर में देरी

शहर के कई मोहल्लों में उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि अतिरिक्त राशि नहीं देने पर गैस डिलेवरी में देरी की जाती है या सीधे मना कर दिया जाता है। इस कारण लोग मजबूरी में ज्यादा पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। स्थानीय निवासी सौरभ द्विवेदी ने बताया कि उनसे 1050 रुपये लिए गए। विरोध करने पर कहा गया कि घर तक सिलेंडर पहुंचाने का खर्च अलग से देना होगा। वहीं विकास पांडेय ने बताया कि बिना अतिरिक्त पैसे दिए समय पर सिलेंडर मिलना लगभग असंभव हो गया है।

पुरानी आदत, अब बढ़ा 'रेट'

यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन अब वसूली का स्तर बढ़ गया है। पहले जहां 20-50 रुपये अतिरिक्त लिए जाते थे, वहीं अब यह राशि 100 से 150 रुपये तक पहुंच गई है। सोहागपुर क्षेत्र के अनिल तिवारी ने बताया कि पहले 877 रुपये के सिलेंडर पर 900 रुपये देने पड़ते थे। अब कीमत 937 रुपये होने के बाद भी 1000 से 1100 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह व्यवस्था अब खुली लूट में बदल गई है।

विरोध करने वालों को 'सजा'

कई उपभोक्ताओं का कहना है कि वे इस स्थिति से नाराज हैं, लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों के चलते विरोध नहीं कर पाते। राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 1200 रुपये में सिलेंडर लिया। अगर पैसे कम दो तो डिलेवरी लेट कर दी जाती है, उन्होंने कहा। वहीं नेहा सिंह ने बताया कि वितरक साफ कहते हैं।अतिरिक्त पैसा दो, नहीं तो गोदाम से खुद ले जाओ।

वितरकों की दलील- 'मजदूरी नहीं, तो वसूली ही सहारा

वितरकों का कहना है कि उन्हें डिलेवरी के लिए अलग से कोई भुगतान नहीं मिलता। ऐसे में उन्हें अपनी लागत और मेहनत निकालने के लिए उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि लेनी पड़ती है। एक वितरक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यदि एजेंसी संचालक उन्हें उचित मजदूरी दें, तो इस तरह की वसूली बंद हो सकती है।

एजेंसियों की भूमिका पर सवाल, जांच का इंतजार

उपभोक्ताओं ने गैस एजेंसियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि एजेंसी की जानकारी के बिना इतनी बड़ी स्तर पर वसूली संभव नहीं है। शिकायतों के बावजूद न तो कोई सख्त कार्रवाई हो रही है और न ही नियमित जांच। लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग की निष्क्रियता के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, और उपभोक्ता हर महीने अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने को मजबूर हैं।

पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने पेट्रोल डालकर लगा ली आग, मौत

विजय मत, शहडोल

जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र में एक युवक ने पारिवारिक विवाद से परेशान होकर खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया और पत्नी पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की मांग को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार देवलौंद के बाणसागर वार्ड क्रमांक 9 निवासी रवि कचेर का 2 अप्रैल को अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद पत्नी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई और घर न जाकर अपनी परिचित महिला के घर चली गई। अगले दिन रवि कचेर पत्नी को लेने वहां पहुंचा

और उसे घर चलने के लिए मनाने लगा, लेकिन पत्नी ने साथ जाने से इनकार कर दिया।

पत्नी के मना करने से आहत रवि कचेर ने गुस्से और मानसिक तनाव में आकर अपनी मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकाला और खुद पर डालकर आग लगा ली। घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई और परिजन तथा स्थानीय लोग उसे गंभीर हालत में देवलौंद अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसकी हालत लगातार गंभीर बनी रही और बाद में उसकी मौत हो गई।बताया जा रहा है कि मौत से पहले दिए गए बयान में युवक ने कुछ लोगों पर उसे मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शनिवार को जब युवक का शव देवलौंद लाया गया तो परिजनों और स्थानीय लोगों ने शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर शव रखकर करीब एक घंटे तक चक्काजाम कर दिया और मामले में कार्रवाई की मांग की। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और जांच व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतमा हादसे के दिवंगतों के परिजनों को दी जाएगी 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

सघन रेस्क्यू ऑपरेशन पूर्ण, हादसे की होगी निष्पक्ष जांच

विजय मत, शहडोल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल कोतमा, अनूपपुर में हुए दुखद हादसे में काल-कवलित नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये और रेडक्रॉस से 50-50 हजार रुपये राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजन को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनूपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र में एक लॉज भवन ध्वस्त होने की दुखद घटना के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया था कि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई कमी न रहे तथा प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए।

उल्लेखनीय है कि इस दुखद घटना में 3 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए थे। घायलों में से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी कर रही है।

अन्य घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में जारी है। शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन आज रविवार दोपहर तक जारी रहा। रेस्क्यू कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, प्रशासन तथा एसईसीएल की टीमों ने आधुनिक मशीनों एवं डॉग स्क्वॉड की मदद से मलबे के एक-एक हिस्से की गहन तलाशी ली। रेस्क्यू टीम ने मलबे से 3 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जबकि 3 अन्य व्यक्तियों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान हनुमान दीन यादव, रामकृपाल यादव और एक अन्य स्थानीय निवासी के रूप में हुई है।

सहायक आयुक्त ने वाटर कूलर का किया शुभारंभ, मध्यान्ह भोजन की परखी गुणवत्ता

विजय मत, शहडोल

सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद राय सिंहा ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी में ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किए गए वाटर कूलर का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी में विद्यार्थी हेतु वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता भी परखी तथा स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मध्यान्ह भोजन भी किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री संजय पांडे, प्रधानाध्यापक श्रीमती जयश्री जायसवाल सहित शिक्षक मौजूद रहे।

शासकीय आंगनवाड़ी में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार चोरी का सामान बरामद

विजय मत, शहडोल

गोहपारू पुलिस द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र चोरमरा में हुई चोरी की घटना का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण में चोरी गया सम्पूर्ण सामान भी बरामद कर लिया गया है।

फरियादिया द्वारा 31 मार्च को थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 30 मार्च की रात्रि में अज्ञात आरोपी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र चोरमरा की खिड़की की रॉड तोड़कर अंदर प्रवेश कर शासकीय सैमसंग कंपनी की एल.ई.डी. टीवी एवं खाना बनाने के बर्तन, कुल कीमती 25,400/- रुपये चोरी कर लिए गए। उक्त रिपोर्ट पर थाना गोहपारू में अपराध धारा बी.एन.एस. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलित किए गए एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही राजकुमार चौधरी पिता राकेश चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी भत्तू थाना जयसिंहनगर, हाल ननिहाल ग्राम चोरमरा थाना गोहपारू जिला शहडोल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया गया।

आरोपी के कब्जे से एलईडी टीवी एवं बर्तन, कुल कीमत 25,400/- रुपये, के बरामद किए गए। आरोपी को विधिवत 05.04.2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

प्रिंट रेट की उड़ रही धज्जियां

शहडोल। जिले सहित पूरे नगरीय क्षेत्र में इन दिनों गुटखा उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला कर दिया है। राजश्री, पहेली और सिग्नेचर जैसे लोकप्रिय ब्रांड खुलेआम प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। स्थिति यह है कि 10 रुपये का सामान 15 में, 20 का 25 में और 40 का 45 रुपये तक बिक रहा है, जिससे उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अनूपपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़े स्टॉकिस्ट अलग-अलग गोदामों में माल जमा कर कृत्रिम कमी का माहौल बना रहे हैं। कमी का हवाला देकर वही माल ब्लैक में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। इस पूरे खेल में एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय नजर आ रहा है, जो बाजार को नियंत्रित कर मनमानी कीमतें तय कर रहा है।

लापरवाही

त्योहारों में भी नहीं थमी अव्यवस्था, नगरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रशासनिक कार्रवाई नदारद

सीएम के सख्त आदेश बेअसर, हाट-बाजारों में खुलेआम मांस बिक्री जारी

विजय मत, शहडोल

जिले के ब्यौहारी सहित अन्य नगर पालिका और ग्राम पंचायत क्षेत्रों में खुले में मांस विक्रय पर प्रतिबंध के बावजूद हालात में कोई ठोस सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा पदभार संभालते ही इस व्यवस्था पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर इन आदेशों का असर लगभग नगण्य साबित हो रहा है। स्थानीय बाजारों, सड़कों और हाट-बाजारों में मांस विक्रेता खुलेआम नियम-कायदों की अनदेखी करते हुए अपना कारोबार चला रहे हैं, जिससे प्रशासनिक सख्ती पर सवाल उठने लगे हैं।

मुख्य मार्गों और बाजारों में बढ़ती अव्यवस्था

जिले के प्रमुख मार्गों, व्यस्त बाजारों और चौक-चौराहों पर खुले में मांस बिकने से आम नागरिकों को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों को दुर्गंध, गंदगी और अस्वच्छ वातावरण के बीच से गुजरना मजबूरी बन गया है। खासकर ऐसे स्थानों पर जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, वहां यह समस्या और अधिक गंभीर रूप लेती जा रही है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण और सख्त कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है, जिससे स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

त्योहारों के दौरान भी नहीं दिखी सख्ती

त्योहारों के दौरान जहां प्रशासन को विशेष सतर्कता और निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता होती है, वहीं शहडोल जिले में इस दौरान भी खुलेआम मांस विक्रय जारी रहा। हाल के त्योहारों में भी बाजारों में बिना किसी रोक-टोक के मांस बेचा जाता रहा, जिससे नियमों की अनदेखी साफ दिखाई दी। यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है, क्योंकि संवेदनशील अवसरों पर भी कोई ठोस कदम उठाए नहीं गए, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

शहरी क्षेत्रों में सीमित और अस्थायी कार्रवाई

नगर पालिका क्षेत्रों में कभी-कभार प्रशासन द्वारा औपचारिक कार्रवाई जरूर की जाती है, लेकिन उसका असर केवल कुछ समय के लिए ही देखने को मिलता है। निरीक्षण के दौरान सख्ती दिखती है, लेकिन उसके बाद फिर से पुराने हालात बन जाते हैं। इस तरह की अस्थायी कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। लगातार निगरानी और नियमित अभियान के अभाव में मांस विक्रेता दोबारा खुले में विक्रय शुरू कर देते हैं।

ग्रामीण हाट-बाजारों में नियंत्रण पूरी तरह नदारद

ग्रामीण क्षेत्रों के हाट-बाजारों में स्थिति और भी अधिक चिंताजनक बनी हुई है, जहां प्रशासनिक निगरानी लगभग न के बराबर है। यहां मांस विक्रेता खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए व्यापार कर रहे हैं और किसी प्रकार की कार्रवाई का भय भी नजर नहीं आता। बड़ी संख्या में ग्रामीण इन बाजारों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन स्वच्छता और नियमों का पालन पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ते जा रहे हैं।

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का नगर में भव्य स्वागत

विजय मत, शहडोल

शहडोल में आयोजित युवा कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का आगमन हुआ। इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी द्वारा उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया । बैठक में जिले भर से आए युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रदेश अध्यक्ष घनघोरिया ने संगठन को मजबूती प्रदान करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान आशीष तिवारी ने कहा कि युवा कांग्रेस निरंतर जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय है और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में सभी युवा साथियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईपीएल में आज होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

केकेआर की गेंदबाजी इस बार कमजोर है। उसे हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों के बिना उतरना पड़ रहा है। इसके अलावा उसके कप्तान रहाणे की रणनीति भी अबतक विफल रही है। कप्तान के तौर पर रहाणे ने सबसे अधिक रन बनोय हैं पर वह टीम को प्रेरित नहीं कर पाये हैं। टीम के अन्य बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे बल्लेबाजों का भी केकेआर सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पायी है। अब तक केवल सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र अबक अंतिम ग्यारह से बाहर हैं। केकेआर के सुनील नारायण भी इस बार प्रभावित नहीं कर पाये। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन केवल बल्लेबाजी ही कर रहे है और गेंदबाजी नहीं कर रहे जिसका नुकसान कभी केकेआर को हो रहा है। इसके अलावा रोवमैन पावेल को भी अंतिम ग्यारह में अब तक अवसर नहीं मिला है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि युवा कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर इसके बाद भी टीम की बल्लेबाजी बेहद सामान्य रही है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर हुआ है। अपने मैच में केकेआर टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 16 ओवर में 161 रन ही बना पायी निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय भी विफल रहे हैं। दूसरी ओर श्रेयस की कप्तानी में पंजाब के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चर वर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

बल्लेबाज रोहित शर्मा ने धोनी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। मुम्बई इंडिया के बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक छक्का लगाते ही महेन्द्र सिंह धोनी का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रोहित किसी आईपीएल टीम के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित ने दिल्ली के खिलाफ 26 गेंद खेलकर 35 रन बनाए। अब रोहित के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में 51 छक्के हो गये हैं1 वहीं धोनी ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए अब तक दिल्ली के खिलाफ 50 छक्के लगाये हैं। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खासे सफल रहे है। दिल्ली उन 2 टीमों में से एक है जिसके खिलाफ रोहित ने 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। दिल्ली उन 2 टीमों में से एक है जिसके खिलाफ रोहित ने 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 38 मैचों में रोहित ने अब तक 1092 रन बनाये हैं। रोहित अब एक और खास रिकार्ड के करीब पहुंच गये हैं। उन्हें मुम्बई की ओर से 6000 रन पूरे करने के लिए अब केवल 11 रनों की जरुरत है।

समीर रिजवी ने आईपीएल में लगातार दूसरा अर्धतक लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी

समीर रिजवी की आक्रामक पारी से दिल्ली कैपिटल्स को इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दूसरी जीत मिली है। दिल्ली ने एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मुम्बई ने 18.1 ओवर में ही हासिल कर लिया. दिल्ली कैपिटल्स की ओर से समीर रिजवी ने 90 रनों की शानदार पारी खेली। समीर का इस सात्र में ये दूसरा अर्धशतक हैं। समीर ने 47 गेदों पर पांच छक्के और चार चौके लगाकर दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई है। समीर ने इससे पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी नाबाद 70 रन बनाए थे, जिससे दिल्ली को लगातार दूसरी जीत मिली ! रिज़वी दूसरे विकेट के गिरते ही इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे थे] उन्होंने इस अवसर का पूरा लाल उठाया और अपनी जीत को लगातार दूसरी जीत दिलायी इस सत्र में पहली हार मिली है। दूसरी ओर मुम्बई की टीम इस मैच में असफल रही और उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

आईएसएल फुटबॉल के शीर्ष चार में पहुंची बेंगलुरु एफ सी

कोलकाता। बेंगलुरु एफ सी टीम इंडियन सुपर लीग फुटबॉल 2026 सत्र में शीर्ष चार में पहुंच गयी है। बेंगलुरु ने एक मुकाबले में एफसी गोवा को 2-0 से हराकर 14 अंक हासिल करते हुए चौथे स्थान पर पहुंची है। वहीं एफसी गोवा 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर फिसल गई है। बेंगलुरु एफसी की ओर से मैच के तीसरे ही मिनट में कप्तान सुनील ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। एक गोल से पिछड़ने के बाद गोवा एफसी ने बराबर के प्रयास करते हुए कई हमले किये पर पहले हाफ में टीम सफल नहीं रही। वहीं दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जमकर एक दूसरे के खिलाफ मूव बनाये। दूसरे हाफ के समाप्त होने के ठीक पहले लालरेमटलुआंगा फनाई के पास पर बेंगलुरु एफसी के नामग्याल भूटिया ने एक गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव

मुम्बई, एजेंसी

गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं।

उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने बताया है कि टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अगले मैच तक फिट हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि शुभमन की रिकवरी अच्छी प्रगति पर है और मेडिकल टीम की निगरानी में उनकी स्थिति स्थिर है। पार्थिव ने कहा, शुभमन ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है और उम्मीद है कि अगले मैच के लिए पूरी तरह से तैयार होंगे। उनकी फिटनेस टीम के लिए बहुत अहम है। इस अपडेट के बाद भारतीय टीम के चयनकर्ता और फैंस दोनों में राहत की लहर है, क्योंकि शुभमन गिल टीम की बल्लेबाजी में हमेशा अहम भूमिका निभाते हैं।

भारतीय टीम के वरिष्ठ विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने बताया है कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की फिटनेस अच्छी प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि शुभमन अब ट्रेनिंग शुरू कर चुके हैं और मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। पार्थिव के अनुसार, अगर रिकवरी इसी तरह जारी रही, तो शुभमन गिल अगले मैच तक पूरी तरह फिट होकर टीम में वापसी कर सकते हैं। उनकी मौजूदगी से टीम की सलामी बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रियान पराग ने साहसिक की कप्तानी : इरफान पठान

अहमदाबाद। पूर्व ऑल रांउडर इरफान पठान ने राजस्थान रॉयल्स के युवा कप्तान रियान पराग की जमकर प्रशंसा की है। पठान के अनुसार गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मुकाबले में पराग ने साहसिक कप्तानी की जिससे उनका आने वाले मुकाबले के लिए हौंसला बढ़ेगा। पराग ने जोफ्रा आर्चर को 19वां और तुषार देशपांडे को 20 ओवर दिया। ओवर सौंपा। पठान ने कहा, यह अब तक का सत्र का सबसे रोमांचक मैच था। राजस्थान के लिए यह बहुत जरूरी था कि रियान टीम की कप्तानी करते हुए अपने को साबित करें। साथ ही कहा, उन्होंने अंतिम ओवर में मुश्किल फैसला लिया और वह फैसला राजस्थान लिए फायदेमंद रहा जिससे टीम मुकाबल जीतने में सफल रही। इससे रियान एक नेतृत्वकर्ता के तौर पर कुशल रणनीतिकार बनकर उभरे हैं। वह 19वां ओवर फेंकने के लिए जोफ्रा आर्चर के पास गए क्योंकि आम तौर पर अंतिम ओवर से पहले वाला ओवर अपने सबसे अधिक अनुभवी गेंदबाज को दिया जाता है।

जिसके बाद के ओवर में तुषार ने भी इतने ही रन दिये जिससे टीम को जीत मिली। वहीं पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि रॉयल्स के खिलाफ नियमित कप्तानप शुभमन गिल के बाहर होने से साई सुदर्शन ने जिम्मेदारी लेते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

व्यापार

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का का बाजार पूंजीकरण 64,734 करोड़ घटा

शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई।बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया।इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

एफएमसीजी कंपनियों की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पूर्व में अदाणी विल्मर) जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा।

रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन, पर्सनल लोन वालों के लिए प्रक्रिया होगी आसान

नई दिल्ली। अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है।

नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में डिजिटल बैंकिंग को नई दिशा देगा और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक नई डिजिटल पहल की घोषणा की है, जिसके तहत लोग अब अपने नजदीकी बैंक शाखा जाए बिना सीधे ऋण की आधिकारिक ऐप के माध्यम से लोन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इस ऐप के जरिए उपयोगकर्ता आसानी से अपनी योग्यता जांच सकते हैं, लोन की राशि और अवधि का चयन कर सकते हैं, और आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह कदम डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने और लोन लेने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए उठाया गया है।

ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका में भी बढ़ने लगी है महंगाई

वाशिंगटन (ईएमएस)। ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध ने अमेरिका में आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और डिलीवरी कंपनियों द्वारा अधिभार लगाने से आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई, जो अगस्त 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है।

डीजल की कीमत 3.64 डॉलर से बढ़कर 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। डीजल का व्यापक उपयोग कृषि, निर्माण और परिवहन उद्योगों में होता है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने 17 अप्रैल से तीसरे पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 फीसदी ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) भी अस्थायी रूप से 8 फीसदी ईंधन अधिभार लागू करने की योजना बना रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। शिकागो फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने चेताया कि बढ़ी हुई परिवहन लागत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी असर डालेगी, जिससे जीवनयापन महंगा होगा।

मिडिल ईस्ट युद्ध से वैश्विक तेल और खाद्य बाजार प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने वैश्विक तेल और खाद्य बाजार पर तेज असर डाला है। होर्मुज जलसंधि बंद होने से पैदा हुए तेल संकट ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका समेत कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र के एफएओ फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार मार्च 2026 में वैश्विक खाद्य कीमतें छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। तेल की ऊंची कीमतों से ट्रांसपोर्ट और उत्पादन लागत बढ़ी, बायोफ्यूल की मांग ने वनस्पति तेल और मक्का की कीमतें ऊपर धकेली।

गिरावट सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट

गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें, ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है। सोने के दामों में आज बाजार में 18.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यह पिछले कई महीनों में सोने की कीमतों में सबसे तेज़ और महत्वपूर्ण कमी है। विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट के पीछे वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएँ, डॉलर की मजबूती और निवेशकों का रुख बदलना मुख्य कारण हैं। सोने में इतनी बड़ी गिरावट से आभूषण उद्योग और निवेशक दोनों पर असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस समय सोने की खरीदारी करने से पहले निवेशकों को सावधानी बरतने और बाजार की दिशा पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

तय समय पर हर किसान का खरीदा जाएगा गेहूं, सरकार हर समय साथ : मोहन यादव

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में गेहूं उपार्जन को लेकर स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी तय समय पर प्रारंभ होगी और उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन कराने वाले सभी किसानों का गेहूं खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में आयोजित बैठक में कहा कि उपार्जन प्रक्रिया में पहले छोटे किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी, इसके बाद मध्यम और बड़े किसानों की खरीदी होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि बारदाने की कोई कमी नहीं है और सरकार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं खरीदी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को भुगतान समय पर मिले और उपार्जन केंद्रों पर किसी तरह की अव्यवस्था न हो। प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल से तथा अन्य संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 19 लाख से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है और 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य रखा गया है।

छोटे किसानों को प्राथमिकता, चरणबद्ध होगी खरीदी

सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपार्जन प्रक्रिया में छोटे किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्लॉट बुकिंग के माध्यम से किसानों को निर्धारित समय पर केंद्रों पर बुलाया जाएगा, जिससे भीड़ और अव्यवस्था से बचा जा सके। इसके बाद मध्यम और बड़े किसानों का गेहूं खरीदा जाएगा। यह व्यवस्था किसानों को सुविधा देने और उपार्जन प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि हर किसान को बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेचने का अवसर मिले।

उपार्जन केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं और निगरानी व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी उपार्जन केंद्रों पर बिजली, पानी, छाया, बैठने और पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। किसानों को लंबी कतारों में खड़ा न होना पड़े, इसके लिए व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी। राज्य स्तर और मंडी स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाए जाएंगे, जो पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखेंगे। साथ ही 10 अप्रैल से पहले सभी तौल केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या न आए।

पर्याप्त बारदाना और समय पर भुगतान की व्यवस्था

सरकार ने बताया कि इस वर्ष गेहूं खरीदी के लिए आवश्यक बारदाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। केंद्र सरकार और अन्य एजेंसियों से लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि आपूर्ति बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को भुगतान में देरी नहीं होनी चाहिए और खरीदी के तुरंत बाद राशि उनके खातों में जमा हो। इसके लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। सरकार ने गेहूं पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ अतिरिक्त बोनस देने की भी घोषणा की है।

रिकॉर्ड पंजीयन, बड़े पैमाने पर खरीदी का लक्ष्य

इस वर्ष गेहूं उपार्जन के लिए रिकॉर्ड संख्या में किसानों ने पंजीयन कराया है। लगभग 19 लाख से अधिक किसान इस प्रक्रिया में शामिल हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। सरकार ने 3627 उपार्जन केंद्र स्थापित किए हैं और बड़े स्तर पर खरीदी का लक्ष्य तय किया गया है। कृषि उपज मंडियों को भी आधुनिक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसानों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उपार्जन व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सके।

पशुपालन की विभिन्न योजनाओं से किसान होंगे आत्मनिर्भर: मोहन

स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना नीति-2025 लागू

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में किसानों को पशुपालन के लिए प्रेरित कर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। पशुपालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर होंगे। हमारा संकल्प है कि हम प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को निरंतर बढ़ाएंगे और वर्ष 2028 तक प्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाएंगे। गो-संरक्षण और गो-संवर्धन सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में पशुपालन विभाग को अब गौपालन विभाग का नाम दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना नीति-2025 लागू की गई है। इसके अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में उपलब्ध गोवंश के आश्रय और भरण-पोषण के लिए 5 हजार से अधिक क्षमता वाली वृहद गौशालाएं स्थापित की जा रही हैं। प्रदेश के आगर मालवा, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन जिलों में आदर्श गौशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जबकि भोपाल, जबलपुर और सागर में इनके निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं। ग्वालियर स्थित आदर्श गौशाला में देश का पहला 100 टन क्षमता वाला सीएनजी प्लांट स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश देश के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 9 प्रतिशत योगदान देता है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में सांची ब्रांड को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ करार किया गया है। गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में गौसंवर्धन बोर्ड के माध्यम से गौशालाओं को चारा-भूसा अनुदान के लिए 505 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। गौशालाओं में गोवंश के बेहतर आहार की व्यवस्था के लिए प्रति गोवंश दी जाने वाली सहायता राशि 20 रुपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 40 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। घायल अथवा असहाय गायों के लिए हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहनों की व्यवस्था भी की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पशुपालन और डेयरी विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना का नाम परिवर्तित कर डॉ. भीमराव अंबेडकर विकास योजना किया गया है।

न्यूज इन शॉर्ट

रसोई गैस की मारामारी से निपटने अब 5 किलो का गैस सिलेंडर

विजय मत, भोपाल। प्रदेश में एलपीजी गैस की कमी और बढ़ती मांग के बीच सरकार नए घरेलू गैस कनेक्शन को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। प्रस्ताव है कि नए उपभोक्ताओं को 14.2 किलो के बजाय 5 किलो का गैस सिलेंडर दिया जाए, ताकि उपलब्ध गैस का बेहतर वितरण किया जा सके और ज्यादा लोगों तक सुविधा पहुंच सके। हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस सुझाव पर चर्चा की गई। सरकार का मानना है कि छोटे सिलेंडर से गैस की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा। खासतौर पर शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर की कमी से जूझ रहे उपभोक्ताओं को इससे राहत मिल सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियां मिलकर इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेंगी। यदि योजना लागू होती है तो अगले कुछ महीनों में नए कनेक्शन के साथ 5 किलो सिलेंडर उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को इंतजार और परेशानी से राहत मिलेगी।

डॉ. संजय गुप्ता बने मप्र नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एंड हॉस्पिटल एसोसिएशन के नए अध्यक्ष के रूप में डॉ. संजय गुप्ता का चयन किया गया है। वे पूर्व अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। इस अवसर पर रविवार होटल सायाजी में एसोसिएशन की एनुअल मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा भी की गई। डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि बैठक के दौरान वे अपने कार्यकाल का रोडमैप भी पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य फोकस डॉक्टरों, अस्पताल स्टाफ और मरीजों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना रहेगा। उनका मानना है कि जब मरीज और अस्पताल के बीच भरोसा मजबूत होगा, तो इलाज के परिणाम भी बेहतर होंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों का विश्वास बढ़ाने के लिए पारदर्शिता और सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। इससे मरीज डॉक्टर की सलाह को गंभीरता से लेंगे और इलाज से जुड़े निर्देशों का पालन बेहतर तरीके से करेंगे। इसका सीधा असर रोग की रोकथाम और उपचार की सफलता पर पड़ेगा। डॉ. गुप्ता के अनुसार, कई बार संवाद की कमी के कारण अस्पतालों को लेकर नकारात्मक धारणा बनती है। यदि इस अंतर को दूर किया जाए, तो ऐसी स्थितियों में कमी लाई जा सकती है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर आज 14 जिलों में वर्चुअली पार्टी कार्यालय भवनों का भूमि-पूजन एवं 3 जिलों में होगा कार्यारंभ

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री प्रदेश कार्यालय में करेंगे संबोधित

विजय मत, भोपाल

भाजपा का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को प्रदेशभर में बूथ स्तर पर उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। पार्टी कार्यालयों तथा कार्यकर्ताओं के निवास पर पार्टी का झंडा फहराया जाएगा एवं कार्यालयों की सजावट कर मिठाई बांटी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश कार्यालय में प्रातः 11:15 बजे ध्वजारोहण करेंगे। तत्पश्चात प्रदेश के 14 जिलों में पार्टी के जिला कार्यालयों का भूमिपूजन एवं 3 जिलों में कार्यारंभ समारोह में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित करेंगे। स्थापना दिवस समारोह में वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया जायेगा। पूरे प्रदेश में मंडल स्तर पर होने वाले स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश कार्यालय में होने वाले भूमिपूजन एवं कार्यरंभ समारोह का लाइव प्रसारण होगा। भाजपा के स्थापना दिवस पर 5, 6 एवं 7 अप्रैल को प्रदेश कार्यालय सहित प्रदेश के सभी मंडल, जिला कार्यालयों पर विद्युत साज-सज्जा, पुष्पमाला सजावट, दीपमालिका और रंगोली का आयोजन होगा। 6 अप्रैल को प्रदेश के बूथों पर पार्टी का झंडा फहराकर मिष्ठान वितरण किया जाएगा, तत्पश्चात पार्टी के इतिहास और विकास यात्रा पर उदबोधन होगा।

7 से 12 अप्रैल तक गांव-बस्ती चलो अभियान

7 से 12 अप्रैल तक गांव-बस्ती चलो अभियान के तहत पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, जिला पंचायत, जनपद पंचायत अध्यक्ष, महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, सभी पार्षद और पार्टी के सभी कार्यकर्ता अभियान में भाग लेंगे। इस अभियान के अंतर्गत एक विधानसभा में 50 बड़े गांवों में कार्यर्र म होंगे। इन कार्यर्र मों में सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, समाज के विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से संपर्क और उनका सम्मान, केन्द्र सरकार एवं एनडीए शासित प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी।

पुष्पांजलि...

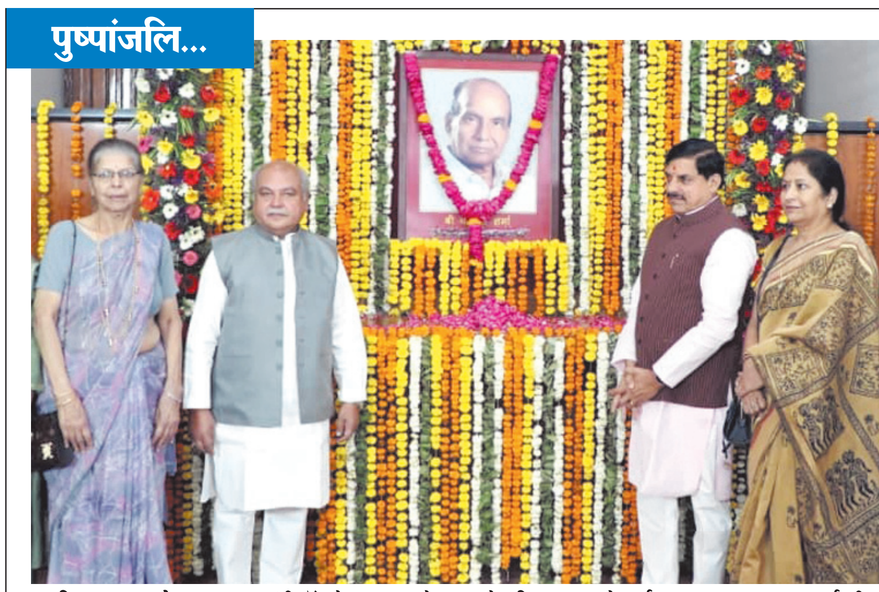

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. यज्ञदत्त शर्मा की जयंती पर विधानसभा में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, स्व. शर्मा के परिजन, विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. शर्मा ने जनकल्याण के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। स्व. यज्ञदत्त शर्मा, मध्यप्रदेश विधानसभा के सम्मानित पूर्व अध्यक्ष थे। उन्होंने सदन की गरिमा और लोकतंत्र की मर्यादा को हमेशा बनाए रखा।

काशी में स्थापित हुई विश्व की प्रथम "विक्रमादित्य वैदिक घड़ी"

विजय मत, भोपाल। कालगणना की पावन नगरी और 'महाकाल' के केंद्र उज्जैन से निकली भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी जीवंत हो उठी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष पहल पर, भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 3 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाबा काशी विश्वनाथ को अर्पित यह घड़ी भेंट की थी।

2693 स्थानों से 3552 एलपीजी सिलेण्डर जब्त 10 मामलों में एफआईआर: खाद्य मंत्री राजपूत

विजय मत, भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण देश और प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। मंत्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नही दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2693 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 10 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 666 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सतत आपूर्ति की जा रही है। उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए गैस बॉटलिंग प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित प्लांट और वितरकों के स्टॉक की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारु

प्रदेश में सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की कमी नहीं है और कंपनियों के डिपो से नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। बढ़ती मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के डिपो को भी अधिक समय तक संचालित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखा जा सके। सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाएँ अगले 3 माह में दिये जाने वाले पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य निर्धारित करेंगी। साथ ही सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन किये जा रहे आवेदन एवं उसके विरुद्ध दिये जा रहे पीएनजी कनेक्शन की सतत मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। सीजीडी संस्थाओं को पीएनजी के लाभ एवं पीएनजी कनेक्शन की प्रक्रिया से संबंधित एफएक्यू तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश नोडल सीजीडी संस्था थिंक गैस को दिये गए हैं।

प्रदेश में गेहूं खरीदी पर तेज हुई सियासत

अपनी मांगों को लेकर 9 अप्रैल को प्रदेश भर के कलेक्टर कार्यालयों का घेराव करेगी कांग्रेस

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी पर सियासत जारी है। इसी कड़ी में किसानों की गेहूं खरीदी की मांग को लेकर 9 अप्रैल को पूरे प्रदेशभर में कलेक्टर कार्यालयों का कांग्रेस घेराव करेगी। जल, जंगल और जमीन को लेकर भी प्रदेश में आंदोलन होंगे। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बारोलिया ने कहा कांग्रेस आमजन की आवाज उठाती रहेगी, आदिवासी वर्गो की आवाज उठाते रहेगी।विषम परिस्थितियों में जो रोटी कपड़ा का संघर्ष कर रहा है हम उनका आवाज उठा रहे। जनता की आवाज उठाने के लिए 9 तारीख से प्रदर्शन शुरू होगा। गली, मोहल्ले से लेकर चौपाल तक पहुंचेगी। किसानों के लिए यह लड़ाई जारी रहेगी। बारोलिया ने कहा शिवराज सिंह कहते थे कि 2100 में मिट्टी भी खरीद लूंगा आज शिवराज कहां जो लगातार किसान हितैषी होने का दावा करते थे। किसान मंडी में भटक रहा है, अपने हक की बात करने के लिए लड़ाई लडना उनकी कोई नहीं सुन रहा है।

भाजपा बोलीं... किसानों के साथ संवेदनशीलता से काम

मामले को लेकर भाजपा नेता रजनीश अग्रवाल ने कहा कांग्रेस आपस में लड़ाने का काम कर रही है। भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों के साथ संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। तारीख है घोषित है कालांतर में किसानों के लिए पहले भी जो बोला है वह किया है। कांग्रेस को परेशान होने की जरूरत नहीं है। समर्थन मूल्य पर गेंहू के उपार्जन से पहले बारदाने की उपलब्धता में आ रही कठिनाई का निराकरण किया गया। भारत सरकार ने मध्यप्रदेश को 50, 000 जूट की गठाने का अतिरिक्त आवंटन जारी किया है। गेहूं उपार्जन के लिये एचडीपी/पीपीबैग एवं एक भर्ती जूट के बारदाना का उपयोग करने की अनुमति भारत सरकार से राज्य को मिली है।

विजय मत एंकर प्रदेशभर में श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर चल रहा है कार्य

किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिये निरंतर प्रयास जारी : कंषाना

विजय मत, भोपाल

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिये राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में किसानों का हित सर्वोपरि है जिसे ध्यान में रखते हुए वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनका उत्थान किया जा रहा है।

कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय बहुल्य क्षेत्रों में पारंपरिक कोदो-कुटकी का संवर्धन और उत्पादन बढ़ाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश की तीन फसलों सिताही, कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जीआई टैग दिलाने के लिये प्रस्ताव चैन्नई भेजे गए हैं। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना का लाभ किसानों को मिल रहा है। मंत्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश में किसानों को साल में 12 हजार रूपये सम्मान निधि प्रदान की जाती है। इसमें 6 हजार रूपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और 6 हजार रूपये मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि शामिल है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 84 लाख से अधिक किसानों को 3350 करोड़ की राशि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रदान की गई है।

मंत्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को फसलों का उचित मूल्य दिलाने के लिये संकल्पित है। प्रदेश में 2585 रूपये न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं 40 रूपये बोनस सहित 2615 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ की खरीदी की जायेगी। इंदौर, उज्जैन, भोपाल, नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल से एवं शेष संभागों में 15 अप्रैल 2026 से खरीदी प्रारंभ होगी। किसानों की आय सुरक्षा के लिये सरसों की खरीदी के लिये भावांतर भुगतान योजना को केन्द्र से स्वीकृति मिलने से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। तुअर उत्पादक किसानों के लिये शत प्रतिशत सरकारी उपार्जन सुनिश्चित किया जायेगा। पीएम किसान पोर्टल पर किसानों के लिये सभी सेवायें उपलब्ध हैं। ई-मित्र चैटबॉट से 24 घंटे सहायता प्रदान की जा रही है। किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से आय दोगुनी करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail: vijaymat.bhopal@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997